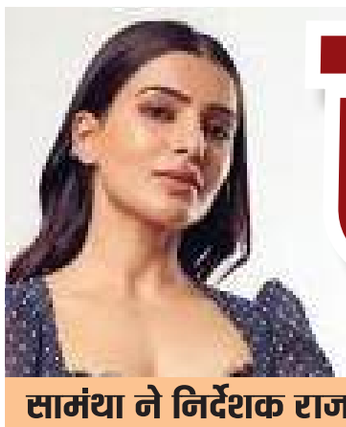

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरू संग किया -पेज: 8

मैं अपने टेस्ट करियर का खुशी से याद रखूंगा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 37 | मंगलवार- 13 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पोप लियो चौदहवें ने जेल में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील की

वेटिकन सिटी (एजेंसी) पोप लियो चौहदवें ने सोमवार को जेल में बंद पत्रकारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की और "स्वतंत्र भाषण और प्रेस के अनमोल उपहार" को कायम रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने 6,000 पत्रकारों के साथ बात की जो प्रथम अमेरिकी पोप के रूप में उनके चुनाव की रिपोर्टिंग करने रोम आये थे। लियो ने आम जनता के प्रतिनिधियों के साथ अपनी पहली बैठक के लिए जैसे ही वेटिकन सभागार में प्रवेश किया वहां मौजूद लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। पिछले सप्ताह 24 घंटे के सम्मेलन में चुने गए 69 वर्षीय ऑगस्टीनियन मिशनरी ने पत्रकारों से शब्दों का प्रयोग शांति के लिए करने, युद्ध को अस्वीकार करने तथा हाशिये पर खड़े लोगों की आवाज बनने का आह्वान किया।

'माई मेलबर्न' ने यूके एशियन फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता

नयी दिल्ली (एजेंसी) फिल्म निर्माताओं इम्तियाज अली, ओनिर, रीमा दास और कबीर खान द्वारा निर्देशित 'माई मेलबर्न' ने 27वें 'यूके एशियन' फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार अपने नाम किया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'विकस्क्रीन' एवं 'स्क्रीन ऑस्ट्रेलिया' की साझेदारी से मितु भौमिक लांगे द्वारा निर्मित 'माई मेलबर्न' ने महोत्सव में एक विशेष पुरस्कार भी जीता। इस फिल्म में दास की 'एम्मा', अली की 'जूल्स', ओनिर की 'नंदिनी' और खान की 'सेतारा' लघु फिल्म शामिल हैं। ये लघु फिल्म लैंगिक भेदभाव, नस्ल और विकलांगता सहित विविध विषयों पर आधारित हैं। अली ने एक बयान में कहा, " 'माई मेलबर्न' पर काम करना एक बेहद अच्छा अनुभव था। इसे पुरस्कार मिलना भौगोलिक सीमाओं से परे मानवीय भावनाओं को दर्शाने वाली कहानियों के महत्व की पुष्टि करता है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।'"

गांव से लेकर राज्य स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूत किया जाएगा : जद(यू)

रांची (एजेंसी) जनता दल(यू) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष खीरू महतो ने सोमवार को कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी संगठन को गांव से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत किया जाएगा।

पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत में महतो ने कहा, "हमने कार्यसमिति की बैठक के दौरान सभी 24 जिलों के लिए प्रभारी नियुक्त किए हैं। हमने गांव से लेकर राज्य स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूत करने का फैसला किया है।" उन्होंने कहा कि बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा जिला अध्यक्षों ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, "अब समय आ गया है कि पार्टी को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए गांवों तक पहुंचा जाए। जिला प्रभारी जिला अध्यक्षों के साथ मिलकर पंचायत और ब्लॉक स्तर पर पार्टी की उपस्थिति बढ़ाएंगे।"

कोहली ने भी संन्यास लिया, अगली पीढ़ी के स्टार कर सकते हैं उनकी बराबरी?

बेंगलुरू (एजेंसी) स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट के दौरान फिडेल एडवर्ड्स के खिलाफ संघर्ष के बारे में बात करते हुए हताशा व्यक्त की थी। यह ऐसी शुरुआत नहीं थी जिसकी एक महत्वाकांक्षी युवक को चाहत होती है। तब थोड़ी चिंता और भ्रम दिख रहा था। किंग्स्टन के एक रेस्तरां में लगभग 20 मिनट की बातचीत का समापन इस तरह किया, "लेकिन मैं छोड़ूंगा नहीं"।

उन्होंने चुनौती से लड़ना नहीं छोड़ा और 2014 से 2019 के बीच ऐसी ऊंचाईयों को छुआ जिन पर

आधुनिक युग के कई क्रिकेटर नहीं चढ़ पाए हैं।

कोहली ने रन और शतकों की झड़ी लगा दी और क्रिकेट जगत ने उनके अंदर इस बदलाव पर हैरानी व्यक्त की जिसने भारत को टेस्ट क्रिकेट में कुछ बेहतरीन ऊंचाइयों और यादगार जीत तक पहुंचाया।

उनका यह प्रदर्शन युवा बल्लेबाजों के लिए 'ब्लूप्रिंट' है जिन्हें कोहली और रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट की कमान संभालने का काम सौंपा गया है। इनमें से कुछ पर चर्चा की गई है।

शुभमन गिल : अगली पीढ़ी के स्टार में शुभमन गिल सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं जो आने वाले दिनों में संभवतः भारत के मुख्य बल्लेबाज और टेस्ट कप्तान हो सकते हैं।

शायद यह एक संयोग है ही है कि गिल भी कोहली के सामने खुद को उनके ही स्थान पर पाते हैं जब वह 25 साल के थे जिसमें उनका टेस्ट रिकॉर्ड औसत था।

पंजाब के इस खिलाड़ी ने 32 टेस्ट में 35 के औसत से 1893 रन बनाये हैं।

लेकिन गिल का इंग्लैंड में रिकॉर्ड औसत है जिसमें तीन टेस्ट में 14.66 की औसत से 88 रन शामिल हैं।

अब देखाना होगा कि क्या पंजाब का यह खिलाड़ी इंग्लैंड में अपनी किस्मत बदलने में अपने शानदार सीनियर की बराबरी कर सकता है।

कोहली की तरह गिल को भी अपनी बल्लेबाजी में अनुशासन लाना होगा और स्विंग के लिए शरीर के करीब बल्लेबाजी करने की आदत बनानी होगी।

यशस्वी जायसवाल :

जायसवाल का इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना निश्चित है। वह वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत में यह काम पहले ही कर चुके हैं। लेकिन इंग्लैंड के अपने पहले दौरे पर यह काम कठिन होगा। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज में रन बनाते हुए अपनी तकनीक और संयम दिखाया।

लेकिन उन्हें इंग्लैंड में 'लेट स्विंग' में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा और इसके लिए उन्हें अपने तेज ड्राइव और कट पर नियंत्रण रखना होगा। गेंद छोड़ने पर अधिक ध्यान देना होगा और आक्रमण करने के लिए सही मौका देखना होगा।

यह कोई तकनीकी बदलाव नहीं है, लेकिन एक मानसिक बदलाव है और वह कोहली की 'प्लेबुक' से सीख सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा देने के वादे को पूरा किया: भाजपा

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल रहे आतंकवादियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा देने और उनके सुरक्षित ठिकानों को तबाह करने का अपना वादा पूरा किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवादददाता सम्मेलन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान ने "नौ आतंकी ठिकानों, 11 हवाई अड्डों, 100 से अधिक आतंकवादियों, 50 सैनिकों और अपने सम्मान को खो दिया है"।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया था कि भारत आतंकवादियों को उनके घरों में घुसकर मारेगा और आतंकी ठिकानों को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस ने आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया है। यह मोदी का वादा था।" पात्रा ने कहा कि छह-सात मई की रात शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अपने शत प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल किया है। उन्होंन इशारा किया कि प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले के बाद बिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संकल्प जताया था कि 22 अप्रैल को इस हमले में 26 नागरिकों की जान लेने वाले आतंकवादियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। पात्रा ने कहा कि इस अभियान के तहत भारत ने जिस तरह की सैन्य और गैर-सैन्य कार्रवाई की है, वह अभूतपूर्व है और इसने आतंकवाद के खिलाफ उसके युद्ध में एक निर्णायक संदेश दिया है। पात्रा ने दावा किया कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे इस्लामिक देशों ने भी इसका समर्थन किया है और पाकिस्तान वैश्विक स्तर

पर अलग-थलग पड़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखा दिया है कि पड़ोसी देश का कोई भी हिस्सा उसकी पहुंच से परे नहीं है।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा विदेश सचिव विक्रम मिसरी को सोशल मीडिया पर बुरी तरह 'ट्रोल' किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर पात्रा ने कहा कि उनकी पार्टी इस अभियान से जुड़े सभी लोगों का सम्मान करती है, चाहे वे सशस्त्र बल हों या नौकरशाह। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक साधन है, लेकिन यह देश के लिए अपनी कार्रवाई तय करने का आधार नहीं हो सकता। मिसरी को उन्हें तथा उनके परिवार के सदस्यों को ट्रोल द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद अपने 'एक्स' अकाउंट को प्राइवेट करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पात्रा ने कहा कि भारत गर्व के साथ कह सकता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अपने लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा किया। उन्होंने सशस्त्र बलों की कार्रवाई के पीछे रही राष्ट्रीय एकता की भावना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, बल्कि पाकिस्तानी प्रतिक्रिया के जवाब में की गई उसकी कार्रवाई में पड़ोसी देश के 11 एयरबेस नष्ट कर दिए गए।

उन्होंने दावा किया कि इनमें से एक हवाई अड्डे पर हुए हमले में 50 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

प्रधानमंत्री मोदी आज रात आठ बजे देश को संबोधित करेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज रात करीब आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत के बाद उनका पहला संबोधन होगा। प्रधानमंत्री का यह संबोधन भारत और पाकिस्तान के बीच सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर बनी सहमति के दो दिन बाद होने वाला है।

यह सहमति चार दिन तक सीमा के आरपार हमलों के बाद बनी। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत का बदला लेने के लिए भारत ने छह मई की देर रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को कई भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियां सहित कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीषण जवाबी हमला किया। पसरूर और सियालकोट बेस पर रडार साइट को भी सटीक हथियारों का इस्तेमाल करके निशाना बनाया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ।

सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा है कि लड़ाई में 35-40 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए हैं और भारत ने अपने वांछित लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

शासन में निरंतरता का अद्वितीय प्रमाण है ब्रह्मोस: जयराम रमेश

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल शासन में निरंतरता का एक ऐसा अद्वितीय प्रमाण है, जिसे सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा मिटाने की कोशिशों के बावजूद नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि ब्रह्मोस मिसाइल को 2005 में भारतीय नौसेना और 2007 में थलसेना में शामिल किया गया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "ब्रह्मोस इन दिनों काफी चर्चा में है। इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की मोस्कवा नदी के नामों को मिलाकर रखा गया है। यह भारत-रूस सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह शासन में निरंतरता का एक और अद्वितीय प्रमाण भी है-जिसे नकारा नहीं जा

सकता, भले ही आज दिल्ली की सत्ता प्रतिष्ठान इसे मिटा देने की लगातार कोशिश करे।" उनका कहना था कि भारत का एकीकृत प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम 1983 में शुरू हुआ था, और इसने कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कीं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, "1990 के दशक के मध्य में, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उनके सहयोगियों जैसे डॉ. शिवथानु पिल्लई ने रूस के साथ सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए साझेदारी की आवश्यकता महसूस की।

पाकिस्तानी गोलाबारी के कारण घर छोड़कर गए लोग अब लौट सकते हैं: उमर अब्दुल्ला

पुंछ/जम्मू (एजेंसी) जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हाल की पाकिस्तानी गोलाबारी से युद्ध जैसे हालात पैदा हुए और जो लोग अपने घर छोड़ गए थे, वे वापस आ सकते हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच अब एक सैन्य सहमति बन गई है। अब्दुल्ला ने पाकिस्तानी सेना के जारी दुष्प्रचार को भी खारिज करते हुए कहा कि पड़ोसी देश इसे जारी रखेगा, लेकिन वास्तविकता दुनिया को पता है।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, "उन्हें (सीमावर्ती निवासियों को) अब अपने घर लौटने का प्रयास करना चाहिए। पुंछ शहर का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा खाली है। जब गोलाबारी हो रही थी, तब वे अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। अब गोलाबारी बंद हो गई है, तो वे अपने घरों को लौट सकते हैं।" मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने अपने कैबिनेट सहयोगी जावेद राणा,

सलाहकार नासिर असलम वानी और विधायक ऐजाज जान के साथ सोमवार को पुंछ और सुरनकोट क्षेत्रों में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र में बंकर स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अब्दुल्ला के साथ उनके बेटे जमीर और जहीर भी साथ थे। अब्दुल्ला ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हाल की स्थिति को ₹युद्ध जैसी₹ स्थिति बताया, जिसमें पुंछ जिले में सबसे भारी गोलाबारी हुई।

उत्तर प्रदेश सरकार का खरीफ फसलों का उत्पादन 12 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने खरीफ फसलों के उत्पादन की नई रणनीति अपनाते हुए खाद्यान्न व तिलहन उत्पादन में 12 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है।

सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, कृषि विभाग के प्रमुख सचिव रविन्द्र ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। खाद्यान्न एवं तिलहन फसलों की पैदावार में 12 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही जल संरक्षण के लिए 8500 लघु खेत तालाब (फार्म पॉण्ड) बनाए जाएंगे।

खरीफ 2024 के अंतर्गत प्रदेश में खाद्यान्न व तिलहन फसलों का कुल उत्पादन 260 लाख मीट्रिक टन रहा था जिसे सरकार ने बढ़ाकर 293 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य 33 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त उत्पादन के जरिये हासिल किया जाएगा। उत्पादन के लिहाज से मक्का और क्षेत्रफल के हिसाब से धान की पैदावार बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बयान के अनुसार, प्रदेश सरकार ने खरीफ अभियान के तहत फसलों की बुवाई, देखरेख और सिंचाई के लिए रणनीति में बदलाव किया है। मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों के लिए उन्नत बीज, समय पर खाद तथा सिंचाई से जुड़ी सेवाएं सुनिश्चित करें। इसके अलावा कृषि अधिकारियों की निगरानी में किसानों को प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। जल संकट से निपटने व सिंचाई के लिए वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेत तालाब योजना को समूचे राज्य में लागू किया जा रहा है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूट्यूबर एल्विश यादव की आपराधिक मुकदमे के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

प्रयागराज (एजेंसी) इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूट्यूबर एल्विश यादव की वह याचिका सोमवार को खारिज कर दी जिसमें सांप के कथित रूप से दुरुपयोग को लेकर उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे और आरोप पत्र को चुनौती दी गई थी। आरोप पत्र में एल्विश यादव के खिलाफ रेव पार्टियां आयोजित कर विदेशियों को सांप के जहर का नशा करने के लिए आमंत्रित करने का भी आरोप लगाया गया है।

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने मौखिक रूप से कहा कि आरोप पत्र और प्राथमिकी में यादव के खिलाफ बयान हैं और इन आरोपों की सच्चाई का मुकदमे के दौरान पता लगाया जाएगा। अदालत ने इस टिप्पणी के साथ याचिका खारिज कर दी। यादव की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता

नवीन सिन्हा और अधिवक्ता निपुण सिंह ने दलील दी कि जिस व्यक्ति ने यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है, वह वन्यजीव अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि साथ ही उस पार्टी में ना तो यादव मौजूद थे और ना ही उनके पास से कोई बरामदगी हुई।

वहीं, दूसरी ओर, इस याचिका का विरोध करते हुए अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कहा कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि जिन लोगों के पास से सांप बरामद किए गए, उन्हें इसकी आपूर्ति यादव ने की थी।

एल्विश यादव की तरफ से यह दलील भी दी गई है कि याचिकाकर्ता और सह आरोपियों के बीच कोई सामान्य संबंध स्थापित नहीं हुए हैं।

यादव के अधिवक्ताओं ने कहा कि याचिकाकर्ता एक प्रभावशाली व्यक्ति है जो टेलीविजन पर कई रियलिटी शो में दिखाई दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए पुलिस के अधिकारियों ने याचिकाकर्ता को गिरफ्तार करने के तुरंत बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 27 और 27ए लगा दी।

संपादकीय

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है।

भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

» ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुद्दा

ऑपरेशन सिंदूर से आतंक का सफाया, नास्तिकता का प्रतीक है आतंकवाद

» डॉ. शंकर सुवन सिंह

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए।

ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है । हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं।

अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जहन्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी।

हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे।

विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

पर्सनालिटी

गुरु तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा के लिए सर्वस्व कर दिया था बलिदान

पंजाब के अमृतसर नगर में 01 अप्रैल 1621 को गुरु तेग बहादुर का जन्म हुआ था। उनके पिता सिखों के छठवें गुरु, गुरु हरगोविंद जी थे। बता दें कि 8वें गुरु हरकिशन की असमय मृत्यु के बाद गुरु तेग बहादुर को 9वां गुरु बनाया गया था।

गुरु तेग बहादुर एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे और वह 9वें सिख गुरु थे। गुरु तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। गुरु तेग बहादुर को 'हिंद की चादर' कहा जाता था। इसका अर्थ 'भारत की ढाल' होता है। बता दें कि इंसानियत के कल्याण के लिए गुरु तेग बहादुर ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर गुरु तेग बहादुर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

पंजाब के अमृतसर नगर में 01 अप्रैल 1621 को गुरु तेग बहादुर का जन्म हुआ था। उनके पिता सिखों के छठवें गुरु, गुरु हरगोविंद जी थे। बता दें कि 8वें गुरु हरकिशन की असमय मृत्यु के बाद गुरु तेग बहादुर को 9वां गुरु बनाया गया था। धर्म और मानवीय मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांत की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर ने कभी समझौता नहीं किया। उनके बचपन का नाम त्यागमल था और वह बचपन से ही उदार, संत स्वरूप, बहादुर और निर्भीक स्वभाव के थे।

उन्होंने गुरुबाणी, धर्मग्रंथों के साथ-साथ घुड़सवारी आदि की भी शिक्षा प्राप्त की थी। महज 14 साल की उम्र में गुरु तेग बहादुर ने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया था। उनकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने उनका नाम तेग बहादुर यानी की तलवार के धनी रख दिया।

मुगल के नापाक इरादों को किया नाकामयाब

गुरु तेग बहादुर जहां भी गए, लोगों ने उनसे प्रेरित होकर न सिर्फ नशे का त्याग किया बल्कि तंबाकू की खेती भी छोड़ दी। उन्होंने देश को दुष्टों के चुंगल से छुड़ाने के लिए जनमानस में विरोध की भावना भरकर कुर्बानियों के लिए तैयार किया।

गुरु तेग बहादुर के समकालीन मुगल बादशाह औरंगजेब था। उसकी छवि कट्टर बादशाह के रूप में थी। औरंगजेब के शासनकाल में हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था।

इसका सबसे ज्यादा शिकार कश्मीरी पंडित हो रहे थे। तब औरंगजेब से परेशान होकर कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में सहायता के लिए पहुंचा। तब गुरु तेज बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को उनके धर्म की रक्षा का आश्वासन दिया।

जिसके बाद गुरु तेग बहादुर ने खुले स्वर में औरंगजेब का विरोध किया और कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने सिर पर ले ली।

उनके इस कदम से औरंगजेब गुस्से से भर गया और उसने इसको गुरु तेग बहादुर की खुली चुनौती मान ली।

औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर को किया कैद

साल 1675 में गुरु तेग बहादुर अपने 5 सिखों के साथ आनंदपुर से दिल्ली के लिए चल पड़े। इस दौरान औरंगजेब ने उनको रास्ते में ही पकड़ लिया और 3-4 महीनों तक कैद में रखा और तमाम अत्याचार किए। औरंगजेब गुरु तेग बहादुर को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।

दरअसल, औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर के सामने 3 शर्तें रखी थीं। जिसमें से पहली कलमा पढ़कर मुसलमान बनने की, चमत्कार दिखाने की या फिर मौत स्वीकार करने की। तब गुरु तेग बहादुर ने धर्म बदलने और चमत्कार दिखाने से मना कर दिया।

मृत्यु

दिल्ली के चांदनी चौक में 24 नवंबर 1675 को जल्लाद जलालदीन ने तलवार से गुरु तेग बहादुर का शीश धड़ से अलग कर दिया।

आज का इतिहास

13 मई की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1918 - भारत ने राजस्थान के पोखरण में दो परमाणु परीक्षण किये।
1995 - चेल्सी स्मिथ मिस यूनिवर्स 1995 बनीं।
1998 - अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने परमाणु परीक्षण के विरोध में भारत के ख़िलाफ़ कड़े प्रतिबंध की घोषणा की, जापान ने भारत को दी जाने वाली सहायता पर रोक लगायी, ट्रिनडाड एवं टोबैगो की सुन्दरी बेंडी फ़िट्ज विलियम मिस यूनिवर्स 1998 बनीं।
1999 - जापानी छात्र के नागुयी विश्व की सात सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ने वाला दुनिया का सबसे कम उम्र (25 वर्षीय) का पर्वतारोही बना।
2000 - मिस इंडिया लारा दत्ता ने साइप्रस में सम्पन्न प्रतियोगिता में मिस यूनीवर्स -2000 का ख़िताब जीता।
2003 - रियाद में आत्मघाती हमलों में 29 व्यक्ति मारे गये।
2008 - पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सभी नौ मंत्रियों ने जजों की बहाली के मुद्दे पर इस्तीफ़ा दिया।
2010 - भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता इला भट्ट को 2010 के निवानो शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

13 मई को जन्मे व्यक्ति

1901 - मथुरा प्रसाद मिश्र वैद्य - स्वतंत्रता सेनानी।
1905 - फ़ख़रुद्दीन अली अहमद - भारत के भू. पू. राष्ट्रपति, आपात स्थिति की घोषणा के कारण इनका कार्यकाल काफ़ी अलोकप्रिय रहा।
1916 - सच्चिदानंद राउतराय - उड़िया साहित्यकार थे।
1917 - असित सेन - हिंदी फ़िल्मों के हास्य अभिनेता थे।
1918 - टी. बालासरस्वती - 'भरतनाट्यम' की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना।
1951 - रवि शंकर (आध्यात्मिक गुरु) - संसार भर में श्रद्धेय एक आध्यात्मिक और मानववादी गुरु हैं।
1955 - बिशन सिंह चुफाल - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
1956 - कैलाश विजयवर्गीय - मध्य प्रदेश सरकार में 'भारतीय जनता पार्टी' के राजनेता।
1857 - रोनाल्ड रॉस - ब्रिटिश चिकित्सक तथा 'नोबेल पुरस्कार' विजेता थे।

13 मई को हुए निधन

2021 - इंदु जैन - 'टाइम्स ऑफ इंडिया मीडिया समूह' की चेयरपर्सन थीं।
2016 - बाबा हरदेव सिंह - भारत के प्रसिद्ध संत और संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक गुरु थे।
2006 - हेमलता गुप्ता - प्रसिद्ध भारतीय चिकित्सक थीं।
2001 - आर. के. नारायण - अंग्रेज़ी में लिखने वाले उत्कृष्ट भारतीय लेखकों में से एक
2011 - बादल सरकार - प्रसिद्ध अभिनेता, नाटककार, निर्देशक और इन सबके अतिरिक्त रंगमंच के सिद्धांतकार।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भगवान गौतम बुद्ध जयंती पर विचार गोष्ठी का किया आयोजन

बुद्ध ने दिया शांति का संदेशः विधायक महेन्द्र खड़गवंशी

» सब का सपना संवाददाता

हसनपुर/अमरोहा: नगर के कमाल पैलेस में गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति हसनपुर द्वारा तथागत भगवान गौतम बुद्ध जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता नगर पालिका परिषद हसनपुर के चैयरमैन राजपाल सिंह सैनी ने की एवं संचालन अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हसनपुर विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि 563 ईसा पूर्व समस्त विश्व को सत्य अहिंसा एवं मानवता का संदेश देने वाले तथागत भगवान गौतम बुद्ध का जन्म वैशाख पूर्णिमा को लुंबिनी में हुआ था।उन्होंने हम सभी को शांति का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ टीपी सिंह ने कहा कि गौतम बुद्ध द्वारा अपने अनुयायियों को दिए गए पंचशीलों में हिंसा न करना चोरी ना करना वह विचार न करना झूठ ना बोलना एवं नशा न करना प्रमुख है उन्होंने उनके साथ-साथ अपने अनुयायियों को अष्टांगिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि चंद्रपाल सैनी एवं शेर सिंह बौद्ध ने संयुक्त रूप से गौतम बुद्ध के पंचशील पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को गौतम बुद्ध के पंचशील का पालन करना चाहिए। हमें किसी के साथ व्यभिचार नहीं करना चाहिए, चोरी नहीं करनी चाहिए, पशु पक्षियों को नहीं मारना चाहिए और न ही नशे का सेवन करना चाहिए। उन्होंने सभी से बौद्ध के धम्म को अपने घरों में स्थान देने पर जोर दिया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह,गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश गौतम,विशिष्ट अतिथि शेर सिंह बौद्ध, चन्द्रपाल सिंह, मुदित गूर्जर, इक़्तेदार उल्ला खां, रोबिन त्यागी, डॉ नरेश कुमार, डॉ टी. पी.सिंह,लता सागर, विपिन सागर,यशपाल सिंह,नवाब सैफी, रामचंद्र सिंह, वीरपाल सिंह जाटव,बुद्ध पूर्णिमा के महामंत्री संजय सहदेव,कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, संयोजक अरविंद अन्ना पूर्व सभासद, विनोद कुमार गौतम,रोहताश सिंह उर्फ डब्लू, नन्हें सिंह,लवी सागर,कपिल कुमार उर्फ कालू, दिनेश कुमार जाटव, अजब सिंह एडवोकेट, मुखिया जाटव, विजय कुमार गौतम,रजनी देवी , राजकुमारी,रेशू गौतम आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद नागर का हुआ जोरदार स्वागत

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला। भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद नागर का जनपद आगमन पर जोरदार स्वागत हुआ। वह सोमवार को ब्लॉक के क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम टोकरा पट्टी में पहुंचे। वहां पहुंचते ही उनके समर्थको में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।उनके समर्थकों ने उनके गले में फूल मालाएं डालकर कर गर्म जोशी के साथ उनका भव्य स्वागत किया।स्वागत के बाद उन्होंने अपने समर्थको से मुलाकात कर उनसे बातचीत कर उनका हाल चाल जाना और भारत रायष्ट्रीय सेवक संघ के बारे में जानकारी दी।इस दौरान ग्राम टोकरा पट्टी निवासी डॉक्टर सतपाल यादव को भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी के रूप में मनोनीत किया गया।इस बैठक में भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जसपाल सिंह चपराना और केके वर्मा भाटी की उपस्थिति में दर्जनो लोगो ने भारत राष्ट्रीय सेवक संघ की सदस्यता ग्रहण की।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: जनपद के थाना पिलखुवा क्षेत्र में रेलवे फाटक के पास युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जानकारी के अनुसार पिलखुवा के गांव खैरपुर खैराबाद निवासी अनुल (30) मयूरी चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। रविवार को वह अपनी पत्नी गुड्डी के साथ ससुराल छिजारसी गया था। दोपहर के समय वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया। इसी दौरान गाजियाबाद से हापुड़ जा रही ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

नर्सिंग दुनिया का सबसे पावन पुनीत कार्यः सुधीर गिरि

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में'अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर नर्सेस सम्मान समारोह एवं ओथ सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित नर्सिंग स्टूडेंट्स एवं नर्सिंग प्रोफशनल्स को चिकित्सा सेवा एवं निस्वार्थ समर्पण की शपथ दिलाते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले नर्सिंग स्टॉफ को सम्मानित किया। इस अवसर पर अवर नर्सेस-अवर फ्यूचर, केयर फॉर नर्सेस स्ट्रैन्थन इकोनोमिक्स विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार का भी आयोजन किया गया। सोमवार को श्री वेंक्टेश्वरा के सी0वी0 रमन सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी नर्सेस सम्मान समारोह एवं ओथ सेरेमनी समारोह का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दबे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, नर्सिंग प्रिंसीपल डॉ0 एना एरिक ब्राउन, आदि ने सरस्वती माँ एवं फ्लोरेन्स नाईटएंगल की प्रतिमा के सन्मुख पुष्प अर्पित करके किया।

अपने सम्बोधन में संस्थापक सुधीर गिरि ने कहा कि नर्सिंग दुनिया का सबसे पावन पुनीत प्रोफेशन है। चिकित्सा क्षेत्र में मरीज के साथ आपका सेवा भाव, निस्वार्थ समर्पण, अच्छी चिकित्सा एवं स्वास्थय सेवाओ में आपका योगदान कही भी चिकित्सक से कमतर नहीं होता है। हमारी नर्सेस हमारा भविष्य है, जो उत्कृष्ट स्वास्थय सेवाओ द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ बनाने में लगातार योगदान दे रही है। राष्ट्रीय संगोष्ठी को प्रो0 पीयूष पाण्डेय, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो0 (डॉ0) राजेश, डॉ0 एना एरिक ब्राउन, आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर डॉ0 मनीष शर्मा, डॉ0 सहर्ष वाल्टर, डॉ0 मंजरी राणा, डॉ0 स्मिता, अनुषा कर्णवाल, पूजा एरी, नीमा, प्रतिभा, सुमनदीप कौर एवं मेरठ परिसर मे डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर राहगीरो को पिलाया शरबत

» सब का सपना संवाददाता

सैदनंगली। नगर पंचायत क्षेत्र में भगवान गौतम बुद्ध के प्रकटोत्सव बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर राहगीरो को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए छबिल लगाकर शरवत वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री अभिनव कौशिक तथा साथ में सभासद निकेश राघव, धारा सिंह, अमित भाटी, फजल अब्बास डॉक्टर शादाब सैफी (जैवा सैफी हॉस्पिटल)सोनू पटेल,गौतम सागर,सचिन कुमार,राहुल सिंह, प्रमोद,अरुण,कौशल,प्रियांशु, मनी,उपेंद्र,शिव भारती व पूर्व ग्राम प्रधान गजेंद्र सिंह आदि सभी नगर वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं सभासद पुत्र रविंदर सिंह ने भगवान बुद्ध के द्वारा बताए गए उद्देश्यो के बारे में लोगो को बताया और उनके आदर्श व उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर लाखों लोगों ने लगाई गंगा जी में आस्था की डुबकी

» सब का सपना संवाददाता

बृजघाट/हापुड़: बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ब्रजघाट में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई।

इस दौरान गंगा घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं ने गंगा पूजन कर अपने परिवार की शुभ समृद्धि की कामना की। वही स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान कर पुण्य कमाया।

जाटव कोर ग्रुप ने समितियों को किया सम्मानित

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला। भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर ब्लॉक व नगरीय क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम व शोभायात्रा आयोजित करने वालीं जन्मोत्सव समितियों को ' जाटव कोर ग्रुप' ने सम्मानित किया।

नगर के आरपी वेंकट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पीसीएस सतीश चंद्रा ने कहा कि हमें बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलना चाहिये। उनके विचारों का अनुसरण करना चाहिये। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलानी चाहिये। पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश प्रधान ने कहा कि ब्लॉक व नगरीय क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 26 जन्मोत्सव समितियों द्वारा बाबा साहब की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई, जिसके लिये समितियों के पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। शिक्षाविद् रविराज सिंह ने कहा कि सभी स्थानों पर बाबा साहब की जयंती के कार्यक्रम शालीनता के साथ होते रहें, इसके लिये सभी प्रयासरत रहें। भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष रामरतन सिंह ने भी बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इस मौके पर होरी सिंह, रामचरन त्रिपाठी, करन सिंह, बीपी सिंह, रेंजर करन सिंह, जयवीर सिंह, उदयभान सिंह, सुरेश चंद्र मौर्य, रमेश चंद्र मौर्य, ऋषभ मौर्य, किरनपाल सिंह, चंद्रपाल सिंह, ओमप्रकाश त्रिपाठी, डॉ.संजीव सागर, सुरेन्द्र पाल सिंह, गुलाब सिंह, डॉ.पृथी सिंह मौजूद रहे।

विद्यालय में शिक्षकों का शराब पीते हुए वीडियो वायरल, किया गया निलंबित

» सब का सपना संवाददाता

हसनपुर/अमरोहा: तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फैयाज नगर में दो अध्यापको का शराब पीते हुए वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी के निर्देशों पर तत्काल प्रभाव से दोनों शिक्षकों को निलंबित किया गया।

प्राथमिक विद्यालय फैयाज नगर में दो शिक्षकों का विवादित वीडियो सामने आया था। जिसमें वीडियो में शिक्षक शिक्षण कार्य के दौरान शराब का सेवन करते हुए नजर आ रहे हैं।

बताया जाता है कि स्थानीय युवक के द्वारा शराब पीते हुए शिक्षकों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। जिसके बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने भी मामले की शिकायत जिला अधिकारी से की थी। उनका कहना था कि विद्यालय को शिक्षा का मंदिर माना जाता है लेकिन शिक्षक ही जब ऐसी गतिविधियों में लिप्त होंगे तो उस विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं पर आखिर किया असर पड़ेगा। वही मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को आदेशित करते हुए दोनों शिक्षकों पर निलंबन की कार्यवाही करवाई है।

जिसके बाद अब दोनों शिक्षक निलंबित हो चुके हैं। वहीं पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

» जाम छलकाते हुए वीडियो से लिऐ गऐ स्क्रीनशॉट

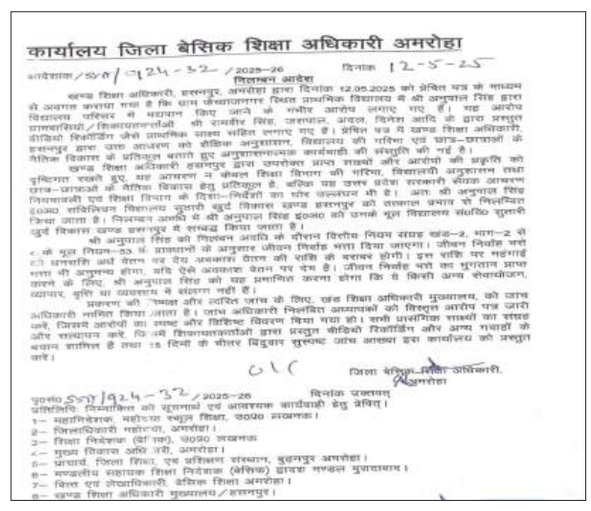
कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा
दिनांक 12-5-25
निलम्बन आदेश

» निलंबन आदेश का लेटर

गौतम बुद्ध ने दुनिया में सत्य और अहिंसा की अलख जगाई : विधायक फहीम इरफान

अम्बेडकर युवक संघ ने भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा देकर बिलारी विधायक मौहम्मद फहीम इरफान को किया सम्मानित

सब का सपना संवाददाता

बिलारी। नगर के अम्बेडकर पार्क पर सोमवार को भगवान गौतम बुद्ध की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे बिलारी विधायक मौहम्मद फहीम इरफान को अम्बेडकर युवक संघ के तत्वावधान में भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सपा विधायक फहीम इरफान ने मौजूद सभी अनुयायियों से भगवान गौतम बुद्ध के बताएं उपदेशों को मानने, उनके बतायें रास्ते पर चलने, उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने पर जोर दिया।

सपा विधायक ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध के उपदेश मुख्य रूप से दुख, उसके कारण और निवारण के बारे में है।

उन्होंने जीवन में दुख को दूर करने के लिए अष्टांगिक मार्ग का भी सुझाव दिया है। उनके उपदेशों में अंहिसा, प्रेम, करूणा और सत्य का भी महत्व है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ जगतपाल सिंह, केके नवल, डॉ कुंवर सिंह, डॉ विजय, सौरभ यादव, अरविन्द सिंह, जाकिर प्रधान, आमिल सिददीकी सभासद, अकरम मलिक, डॉ मनवीर जिला पंचायत सदस्य, जरीफ अंसारी सभासद समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उपचार के दौरान विवाहिता की मौत पर हंगामा, परिवार वालो के बयान दर्ज

मजिस्ट्रेट ने बयान दर्ज कर कराया पीएम

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। थाना क्षेत्र के गांव देवीपुरा में लंबी बीमारी के बाद विवाहिता की मौत हो गई। ससुरालियों पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाते हुए भाई ने हंगामा कर डायल 112 को फोन कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मजिस्ट्रेट को बुलाकर कानुनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। हालांकि बाद में मृतका के परिजन पुलिस से पीएम नहीं कराने की मन्नतें करते रहे। पर पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी। सोमवार को दोपहर बारह बजे गांव देवीपुरा निवासी रोहताश की पत्नी मीनू 30 की जिला मुख्यालय में स्थित निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। वह लंबे समय से बीमारी की चपेट में थी। एक सप्ताह पहले उसके पित्त की पथरी का आपरेशन हुआ था। ससुराल वाले अंतिम संस्कार की तैयारियां कर रहे थे। बिजनौर के थाना स्योहारा निवासी भाई गौरव आया और ससुरालियों पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाते हुए डायल 112 को फोन कर दिया। विवाहिता की हत्या की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतका की मां,भाई-बहनों के बयान दर्ज कराने और मौका मुआयना करने के लिए मजिस्ट्रेट को सूचना दी। नायब तहसीलदार पल्लवी वानिया ने मौके पर पहुंचकर मृतका के परिजनों के बयान लिए, मृतका की मां,भाईयों अमित, रोहित, अंकित और हंगामा करने वाला गौरव पीएम कराने से इंकार करने लगे। पुलिस और मजिस्ट्रेट ने उच्चाधिकारियों का हवाला देकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पीएम के बाद गांव में ही अंतिम संस्कार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण से की शिकायत

सब का सपना संवाददाता

कुंदरकी। वादी ने बताया तीन दिन पूर्व को उसकी गाड़ी गांव की ग्राम सभा में खड़ी थी। इस दौरान जीशान से गाड़ी खड़ी करने को लेकर कहा सुनी हो गई। तब जीशान,रुकमे आलम,जाबिर और राबिल ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट कर आरोपी पीड़ित को अपने घर में खींच कर ले गए।

इस दौरान असलम के शोर की आवाज सुनकर घर की महिलाएं भी मौके पर पहुँच गई। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट करते हुए उनके कपड़े फाड़ दिए और उनके साथ छेड़खानी की। शोर शराबे की आवाज सुनकर गांव के अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे।

लोगो ने बीच बचाव कर दिया। पीड़ित घायल अवस्था में थाने पहुंचा था। पुलिस ने घायल का उपचार कुंदरकी सीएचसी भेज दिया था। लेकिन पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने घटना की शिकायत एसपी देहात से की थी। जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों रुकमे आलम,जाबिर,राबिल,जीशान खिलाफ केस दर्ज किया है।

सैय्यद शाह के मजार पर होगा कुल शरीफ

सब का सपना संवाददाता

मूंढाणांडे। क्षेत्र के अक्का डिलारी में सैयद कल्लू शाह के मजार पर बृहस्पतिवार के दिन कुल शरीफ का प्रोग्राम किया जाएगा मजार शरीफ पर कव्वालियों के साथ साथ बच्चों के लिए खेल खिलौने व खाने-पीने का भी इंतजाम किया गया है। शाम पांच बजे कुल शरीफ में देश और दुनिया के लिए अमनों चैन की दुआ भी की जाएगी।

गद्दीनशीन तौफीक मियां ने बताया कि बाहर से आने वाले जयरीनों के लिए खाने-पीने का भी इंतजाम किया गया है, और कहा कि उर्स में आकर सैयद कल्लू शाह के मजार पर अपने देश के लिए दुआ भी की जाएगी। अंशु यादव, मोनू सिंह यादव, दुष्यंत सिंह यादव, आयुष कुमार यादव, सज्जाद खान प्रधान उस्मान अली ,बाबू खान इरफान खान,आदि लोग मौजूद रहे।

शहर विधायक ने सुनी लोगों की जन समस्याएं

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के शहर विधायक रितेश गुप्ता ने लोगों की जन समस्याओं को सुनकर उचित निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। गांधी नगर स्थित जन सहयोग कार्यालय पर आये आगुन्तकों व पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ताओ से उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश सेवा में ही सच्चा सुख है,जनता की खुशी ही मेरा संकल्प है,हर कदम आपके लिए हर प्रयास आपकी भलाई के लिए। इस दौरान पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यायालय परिसर का किया भ्रमण सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कोतवाली नगर द्वारा सोमवार को अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत न्यायालय परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों व प्रचलित अभिलेखों को चेक कर, संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

नारी उत्थान केंद्र के प्रयासों से पति-पत्नी के पांच विवादित दंपत्ति का कराया समझौता

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। परिवार परामर्श केंद्र नारी उत्थान केंद्र मुरादाबाद के अथक प्रयासों से पति-पत्नी के पांच विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने के हुए सहमत। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के कुशल निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी कार्यालय के पर्यवेक्षण में प्रभारी नारी उत्थान केन्द्र अध्यक्षता तथा अनुभवी परामर्श दाता डॉ पूनम बंसल व एमपी सिंह के माध्यम से परिवार परामर्श केंद्र नारी उत्थान केंद्र पुलिस लाईन्स मुरादाबाद में सोमवार को पति-पत्नी संबंधित पारिवारिक विवादों की काउंसलिंग के दौरान पांच प्रार्थना पत्रों में पक्षों की सहमति से सुलह समझौता कराया गया। पत्रों में दोनों पक्षों की पारिवारिक समस्याओं को सुनते हुए आपसी सहमति से समझौता कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा आपस में एक दूसरे को विश्वास दिलाया गया कि हम दोनों नवजीवन की नई शुरुआत करते हुए हंसी-खुशी अपना जीवन यापन करेंगे। परिवार परामर्श द्वारा जोड़ों को नवजीवन की शुरुआत की शुभकामनाएं देते हुए समझाया गया कि बीती बातों को लेकर विवाद नहीं करेंगे। और आपस में प्यार से रहेंगे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को जागरूक कर, दी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मुरादाबाद के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान फेज 05 सोमवार को महिला सुरक्षा दल द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी व महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, वन स्टाप सेन्टर 181,साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर 102,एम्बुलेन्स सेवा 108, जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय,राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

मिशन-शक्ति-अभियान के तहत जनपद के समस्त थानों द्वारा पुलिस की पाठशाला,चौपाल लगाकर जागरूकता के क्रम में महिलाओं,बालिकाओं को जागरुक किया गया ।

मुठभेड़ में गौकशी के आरोपी को किया गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

मैनाठेर। थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर बस्तोंर में हुई गोकशी के बाद से पुलिस सतर्क नजर आ रही थी। पुलिस गौ तस्करों की तलाश में जुटी थी। सोमवार की सुबह गौ तस्करों और पुलिस एवं एसओजी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस और एसओजी की सयुक्त टीम ने जब इनको रोकने की कोशिश की तो इन बदमशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गौ तस्कर के पैर में गोली लग गई। जबकि एक भागने में सफल हो गया।

पुलिस भागे हुए आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने घायल गौ तस्कर शानू उर्फ शाहनवाज़ को उपचार के लिए कुंदरकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। मुठभेड़ की घटना सुबह लालपुर गंगवारी के रास्ते पर बताई जा रही है।

गोकशी में वांछित इन दोनों बदमाशों पर कई मुकदमे दर्ज हैं। जिसमे शानू पर अकेले 5 से 6 मामले दर्ज है। पुलिस ने गौ तस्कर के पास से अवैध तमंचे,जिंदा कारतूस, एक बाइक, पशु काटने के उपकरण बरामद किए हैं।

सोमवार की सुबह मैनाठेर थाना क्षेत्र में लालपुर गंगवारी के रकवे में पुलिस एसओजी चेकिंग कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली कि दो बाइक सवार गोतस्कर गोकशी करने के लिए जा रहे है। पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। तभी एक बाइक पर दो लोग आते दिखाई दिए।

पुलिस ने जब इनको रोकने का प्रयास किया तब गोतस्करों ओर पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई।पुलिस की जबाबी फायरिंग में एक गोतस्कर शानू उर्फ शाहनवाज के पैर में गोली लगने से वह घयाल हो गया। वही एक उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब हो गया। जिसको पुलिस ने कुंदरकी सीएचसी में भर्ती करा दिया जहां से उसको मुरादाबाद रैफर कर दिया गया।

वही मुरादाबाद एसपी ग्रामीण जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार की सुबह के वक्त पुलिस को सूचना मिली थी कि दो गौ तस्कर गोकशी करने के लिए जा रहे है।

सेल्फी प्वाइंट स्थापित कर लोगों को किया जागरूक

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत दुर्घटना से सुरक्षा के संबंध में थाना सोनकपुर पुलिस द्वारा सेल्फी प्वाइंट बनाकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया तथा सड़क सुरक्षा प्रचार प्रसार हेतु सभी से अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई।

पुलिस द्वारा मिशन सड़क सुरक्षा के तहत सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया जहां नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है वे नियमों का पालन करें। इस पहल का समर्थन करें। दुर्घटना से सुरक्षा के संबंध में थाना क्षेत्र में सेल्फी प्वाइंट बनाकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया तथा सभी को सड़क सुरक्षा प्रचार-प्रसार हेतु अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गयी।

देश के वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के. विक्रम राव का निधन

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। देश के प्रतिष्ठित वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के.विक्रम राव का सोमवार को प्रातः लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। श्री राव के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बृजेश पाठक यूपी वर्किंग जनरलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीकी यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र कुमार यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट के मंडल अध्यक्ष शिव शरण सिंह यूपी वर्किंग जनरलिस्ट यूनियन व नेशनल एक्सप्रेस के जिला प्रभारी मौ0 फहीम अंसारी समेत कई नेताओं और पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है। वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. विक्रम राव का सोमवार सुबह लखऊ के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह सांस संबंधी समस्या से पीड़ित थे। और उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। डॉ. राव पत्रकारिता के क्षेत्र में दशकों से सक्रिय थे और उन्होंने श्रमजीवी पत्रकारों की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया। उनका जीवन संघर्षशील पत्रकारिता, सिद्धांतनिष्ठ विचारों और निर्भीक लेखनी का पर्याय रहा। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा कि वरिष्ठ पत्रकार के विक्रम राव जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं

पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। विक्रम राव गौरवशाली परंपरा के ध्वजवाहक रहे। उनके पिता प्रख्यात संपादक, जानेमाने स्वाधीनता-सेनानी और प्रथम संसद राज्य सभा के सदस्य 1952 श्री कोटमराजू रामा राव अपने दौर के अकेले ऐसे पत्रकार थे जो 25 से अधिक दैनिक समाचार पत्रों में कार्यशील रहे। रामा राव के चार पुत्रों में प्रथम, स्व. प्रताप भारतीय विदेश सेवा से रिटायर होने पर अमरीका में बस गये। दूसरे, नारायण ने भारतीय आडिट एवं एकाउंट्स सर्विस से रिटायर होकर नई दिल्ली के भारतीय विद्या भवन में ज्योतिष शोध केंद्र को स्थापित किया। बाद में भवन के त्रैमासिक जर्नल आफ एस्ट्रोलोजी के संपादक बनें। तृतीय पुत्र विक्रम लखनऊ में श्रमजीवी पत्रकार रहे। सुभाष सिंडीकेट बैंक में मैनेजर थे। चार पुत्रियों में ज्येष्ठ वसंत तथा कनिष्ठ हेमंत अमरीका में बस गईं। द्वितीय शरद तथा तृतीय शिशिर भारतीय सेना के अधिकारियों से विवाह कर कानपुर तथा हैदराबाद में बसीं। प्रपौत्र विश्वदेव लखनऊ में पत्रकार है। विक्रम राव के निधन के साथ एक युग का भी अंत हो गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसको एक अपार क्षति बताया यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने अपने शोक संदेश में कहा कि आज हमने पत्रकारिता का एक मजबूत स्तंभ को दिया यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिव शरण ने कहा कि यह पत्रकारिता जगत के लिए अपार क्षति है । इसकी भरपाई कर पाना बहुत मुश्किल है मुरादाबाद के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद जान तुर्की ने श्री राव के निधन पर कहां की आज हमने पत्रकारिता जगत का एक ऐसा स्तंभ को दिया जो हमेशा पत्रकारों की आवाज को बुलंद करते थे। वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. विक्रम राव के निधन पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिला अध्यक्ष रईस शेख, नेशनल एक्सप्रेस के ब्यूरो चीफ मौ0 फहीम अंसारी,अमर भारती संवाददाता मौहम्मद जफर, सतीश चौधरी, अनिल गर्ग ,राजीव सक्सेना, रामेंद्र कुमार गुप्ता, शाहिद हुसैन, सोनू अरोड़ा, नफीस अहमद, आज़ादर अली, मोहम्मद शावेज, भूर अली, नजाकत अली, तमीम अहमद आदि ने शोक व्यक्त किया।

आतंक के खिलाफ यूपी का 'ऑपरेशन क्लीन'

योगी सरकार ने आठ वर्षों में 142 स्लीपिंग मॉड्यूल किए ध्वस्त

सब का सपना संवाददाता

.लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब आतंकवादियों की पनाहगाह नहीं, बल्कि उनके खात्मे का गढ़ बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का प्रभाव है कि बीते आठ वर्षों में प्रदेश में न सिर्फ आतंकवादी संगठनों के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया, बल्कि अपराध, टेरर फंडिंग, विदेशी घुसपैठ और धार्मिक उन्माद फैलाने वालों पर करारा प्रहार किया गया है।

प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने सुनियोजित रणनीति के तहत आतंकवादी संगठनों से जुड़े 142 स्लीपिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जिनमें 131 सक्रिय मॉड्यूल गोपनीय सूचनाएं भेजने व आतंकी गतिविधियों

में लिप्त पाए गए, जबकि एक आतंकी को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। साथ ही, टेरर फंडिंग में लिप्त 11 मॉड्यूल को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया।

ISIS, अल-कायदा, सिमी, पीएफआई से जुड़े रहे मॉड्यूल

गिरफ्तार किए गए स्लीपिंग मॉड्यूल्स के तार आईएसआईएस, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, सिमी, हिजबुल मुजाहिदीन, पीएफआई और नक्सल संगठनों से जुड़े पाए गए। एटीएस की ताबड़तोड़ कार्रवाई ने इन आतंकी नेटवर्क्स को जड़ से खत्म करने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

- 230 दुर्दांत अपराधी ढेर, टेरर फंडिंग और घुसपैठ पर सर्जिकल स्ट्राइक

टेरर फंडिंग और फर्जी करेंसी पर भी शिकंजा

एटीएस ने अवैध फंडिंग नेटवर्क पर भी करारा प्रहार करते हुए 47.03 लाख की जाली मुद्रा जब्त की और 41 लोगों को गिरफ्तार किया। ये लोग आतंकी गतिविधियों के वित्त पोषण में शामिल थे।

विदेशी घुसपैठ पर बड़ा प्रहार: 173 रोहिंग्या-बांग्लादेशी गिरफ्तार

प्रदेश में गैरकानूनी रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों पर भी एटीएस ने सर्जिकल स्ट्राइक की। पिछले आठ वर्षों में 173 विदेशी घुसपैठिए गिरफ्तार किए गए, जिन पर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बनने का आरोप था।

धर्मांतरण मॉड्यूल पर भी कार्रवाई

20 से अधिक अभियुक्तों को धर्मांतरण रैकेट से जुड़ी गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किया गया। साथ ही, राम मंदिर निर्माण के दौरान धार्मिक उन्माद फैलाने की साजिश रचने वाले एक व्यक्ति को भी दबोचा गया।

साइबर फ्रॉड और फर्जी सिम गिरोह का पर्दाफाश

एटीएस ने साइबर ठगी और फर्जी पहचान पर सिम खरीदने वाले गिरोह पर भी नकेल कसी। इस दौरान चार चीनी नागरिकों समेत कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी में लिप्त थे।

बौद्ध पर्यटन में उप्र की बड़ी छलांग

2024 में बौद्ध स्थलों पर पहुंचे 61 लाख से अधिक श्रद्धालु

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश धार्मिक पर्यटन, विशेष रूप से बौद्ध परिपथ, के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2024 में प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर 61,47,826 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जिनमें 3,53,461 विदेशी और 57,94,365 भारतीय पर्यटक शामिल थे।

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बौद्ध स्थलों के विकास और प्रचार के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयास अब परिणाम देने लगे हैं। उत्तर प्रदेश अब वैश्विक धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है, उन्होंने कहा कि सबसे अधिक आगमन इन स्थलों पर हुआ कौशांबी – 24,74,460 श्रद्धालु, कुशीनगर- 22,42,913 श्रद्धालु, सारनाथ- 11,80,157 श्रद्धालु, श्रावस्ती – 1,27,222 श्रद्धालु, कपिलवस्तु- 79,418 श्रद्धालु, संकिसा (फर्रुखाबाद)- 43,656 श्रद्धालु, यह वृद्धि 2022 की तुलना में उल्लेखनीय है, जब केवल

48,498 विदेशी और 21,91,594 भारतीय पर्यटक इन स्थलों पर पहुँचे थे।

बौद्ध देशों को जोड़ने की रणनीति सफल

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने 2023–2025 के दौरान थाईलैंड, श्रीलंका, जापान, मलेशिया, लाओ पीडीआर, कंबोडिया, इंडोनेशिया, वियतनाम, भूटान और सिंगापुर जैसे बौद्ध बहुल देशों से टूर ऑपरेटरों, भिक्षुओं और मीडिया प्रतिनिधियों

- थाईलैंड, जापान, श्रीलंका सहित कई देशों के भिक्षु और टूर ऑपरेटर हुए आकर्षित

के लिए विशेष फैम ट्रिप्स आयोजित कीं। इन यात्राओं का उद्देश्य प्रदेश के बौद्ध स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाना था, जिसमें काफी हद तक सफलता मिली। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में पहले स्थान पर है, और विदेशी पर्यटकों की आमद भी लगातार बढ़ रही है। तथागत बुद्ध के जीवन और उपदेशों से जुड़ा अधिकांश इतिहास यहीं स्थित है, जिससे यह राज्य बौद्ध अनुयायियों के लिए विशेष महत्व रखता है।

पर्यटन के साथ सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र

बढ़ते आंकड़े यह संकेत देते हैं कि उत्तर प्रदेश अब न केवल पर्यटन विकास का केंद्र बनता जा रहा है, बल्कि शांति, श्रद्धा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति वैश्विक समुदाय का आकर्षण भी बन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नहर में समाया युवक, खोज बीन जारी

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली: बछरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत मीरखपुर में शारदा सहायक नहर में एक दर्जन युवक नहा रहे थे।तभी आदर्श निवासी चुरुवा नहर में समा गया।जिसकी खोजबीन शुरू हो गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

दुकानदार को पीटा

रायबरेली: ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कंदरावां निवासी रिंकू यादव को उसके दुकान पहुंच मारपीट करके घायल कर दिया गया।जिसको सीएचसी में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

घायल की मौत

रायबरेली: सलोन थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पाईका पुरवा रिंकू निवासी ममुनी मार्ग दुर्घटना में घायल होने पर उपचार दौरान मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

एसडीएम लिखी वाहन सीज

रायबरेली: हरचंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एसडीएम लिखी वाहन में शराब मिलने पर उसे सीज कर दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि वाहन सीज कर दिया है।

फार्मासिस्ट पर गंभीर आरोप

रायबरेली: सीएचसी बछरावां में तैनात फार्मासिस्ट पर गंभीर आरोप लगाया गया है। जिनके मूल तैनाती खीरों सीएचसी में है और उनको सम्बद्ध बछरावां सीएचसी में कर रखा गया है। जिसके अलावा महिला के साथ बदसलूकी तक के आरोप है। सीएमओ ने बताया कि जांच करवाया जाएगा।

स्टीमर पलटी, 5 घायल

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली: सरेनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगा घाट पर स्टीमर एकाएक पलट जाने से संत, यश, हेमराज समेत 5 लोग घायल हुए। सभी खतरे से बाहर होने पर सीएचसी से उपचार बाद उनके घर भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर चालक को पीटा, मर्ती

रायबरेली: मिलएरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मैनूपुर निवासी ट्रैक्टर चालक उमेश को पुरानी रंजिश में कुछ लोगों ने मारपीट करके घायल कर दिया।

आंधी तुफान व हुआ वर्षात

रायबरेली: आंधी के साथ वर्षात हुआ है जिससे आम की फसल नष्ट हुई और अन्य सीजनी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। मौसम खुशनुमा झमाझम बारिश से हो गया। विद्युत आपूर्ति नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक प्रभावित रहा।

मारपीट का वीडियो वायरल

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली: सरेनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मूसापुर में दो पक्षों में मारपीट हुई है। मारपीट का वीडियो वायरल हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

बाल अपचारी गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली: नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जानकीपुरम निवासी बाल अपचारी को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि किशोर न्यायालय बाल अपचारी को भेज दिया गया है।

सपा ने बुद्ध फुले और अंबेडकर को अपमानित करने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ा: डॉ निर्मल

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद डॉ लालजी प्रसाद निर्मल ने भगवान बुद्ध की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के इस दौर में भी बुद्ध, फुले और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलकर ही एक विकसित समाज स्थापित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि धर्म और जाति से हटकर हमेशा मानव कल्याण की बात करने वाले इन महापुरुषों का सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हमेशा अपमान किया है। वैसे तो अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का इतिहास रहा है कि इन लोगों ने हमेशा समतामूलक समाज स्थापित करने वाले महापुरुषों को अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा है। डॉ निर्मल ने कहा कि अखिलेश ने तो अपने शासनकाल में इन महापुरुषों का इतिहास मिटाने की कोशिश की और भगवान बुद्ध की मां के नाम से बनाया गया जिला महामाया नगर के साथ पंचशील नगर जिले का नाम बदल दिया। महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से बने जिले का नाम भी बदल दिया।

अखिलेश यादव संविधान की रक्षा की बात करते हैं और खुद को डॉ अंबेडकर के समकक्ष खड़ा करके बाबा साहब और उनके मानने वाले करोड़ों अनुयायियों का अपमान करने से परहेज नहीं करते।

डा निर्मल आज आंबेडकर महासभा में आयोजित बुद्ध जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सरोज,अमरनाथ प्रजापति,डा सत्या दोहरे, जयशंकर सहाय, रचना चंद्रा, विनोद खरवार, पी सी चौधरी,रामधर राकेश और बौद्ध भिक्खू प्रज्ञासार आदि ने संबोधित किया।

पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक इकाइयों के लिए योगी सरकार की नई पहल

यीडा क्षेत्र में 55 औद्योगिक भूखंडों पर लगेंगी ग्रीन इंडस्ट्रीज, ई-नीलामी प्रक्रिया जुलाई में होगी पूरी

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था' के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही योगी सरकार अब पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए बड़ी योजना लेकर आई है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को मिशन मानते हुए गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर जिलों के सेक्टर 29, 32 और 33 में 55 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है।

यह योजना विशेष रूप से टॉय पार्क, अपैरल पार्क, फर्नीचर निर्माण, ओडीओपी, हस्तशिल्प और एमएसएमई इकाइयों को भूमि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इसमें 300 वर्ग मीटर से लेकर 17,020 वर्ग मीटर तक के भूखंड शामिल हैं।

ग्रीन इंडस्ट्रीज को प्राथमिकता

इस योजना के तहत केवल स्वच्छ व हरित औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

ई-नीलामी के जरिए पारदर्शी आवंटन

यीडा द्वारा सुनिश्चित किया गया है कि सभी भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ होगा। नीलामी में कम से कम तीन वैध बोलियां अनिवार्य होंगी, वरना प्लॉट आवंटित नहीं किया जाएगा। सिंगल बिड वाले आवेदन स्वतः निरस्त माने जाएंगे और शुल्क वापस कर दिए जाएंगे।

योजना से जुड़े विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध

इच्छुक निवेशक और उद्यमी यीडा की आधिकारिक वेबसाइट से विस्तृत ब्रोशर डाउनलोड कर आवेदन प्रक्रिया, पात्रता और प्लॉट विवरण की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शर्मसार करने वाला खुलासा

जायदाद के लिए बेटों ने ही रची थी पिता की हत्या की साजिश, 50 हजार की दी थी सुपारी

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली: सलोन तहसील क्षेत्र अंतर्गत में रिश्तों को शर्मसार करने वाला खुलासा हुआ है। जायदाद के लिए दो बेटों ने पिता की हत्या की सुपारी दी। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

करीब छह दिन पहले डीह इलाके में एक किसान पर फायरिंग किए जाने के मामले में पुलिस ने रविवार को उसके दो बेटों को ही गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि जायदाद पाने के लालच में दो बेटों ने अपने पिता की हत्या कराने की साजिश दिल्ली में रची थी और प्रतापगढ़ के एक युवक को सुपारी दी थी। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सीओ सलोन यादुवेंद्र पाल के मुताबिक डीह थाना क्षेत्र अंतर्गत के पछुआरा गांव निवासी किसान रतीपाल (58) छह मई को पत्नी रामवती के साथ खेत घर जा रहे थे। इसी दौरान दो अज्ञात लोगों ने रतीपाल को गोली मार दी थी। गोली रतीपाल के जांघ में लगी थी। जिला अस्पताल में किसान का इलाज कराया गया था।

मामले में दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का केस दर्ज किया था। सीओ के मुताबिक विवेचना के दौरान पाया गया कि किसान के दो बेटों अशोक कुमार, अभयचंद्र उर्फ सुल्तान ने ही घटना की साजिश रची थी। रविवार सुबह दोनों आरोपी बेटे दिल्ली भागने की फिराक में थे, तभी एसओजी टीम व डीह पुलिस ने बिरनावां परशदेपुर रोड के पास से दबोचा गया।

सीओ के मुताबिक रतीपाल ने किसी कारणवश अपने तीन बेटों अशोक, अभय, धरमचंद्र को घर से निकाल दिया था। साथ ही जायदाद से बेदखल कर दिया था। बेदखली का मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। वहीं रतीपाल अपने तीन अन्य बेटों सुनील, बसंतलाल, करमचंद्र अपने साथ रखे हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पिता मुकदमा ना जीत पाएं, इसीलिए उन्हें रास्ते से हटाना चाहते थे।

अप्रैल माह में दिल्ली में विजय कुमार उर्फ खूंटी निवासी पूरे वसंदर मजरे मंगदपुर थाना ऊदयपुर जनपद प्रतापगढ़ से मुलाकात हुई थी। विजय से पिता व बड़े भाई बसंतलाल को रास्ते से हटाने के लिए 50 हजार रुपये में मारने की सुपारी दी थी। पांच हजार रुपये एडवांस भी दिया था। छह मई को विजय ने फोन करके बताया था कि तुम्हारा काम हो गया है। सीओ ने बताया कि घटना में विजय और उनके अन्य साथियों के शामिल होने की बात सामने आई है। जल्द फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पीसीएफ सिद्धार्थनगर के जिला प्रबंधक अमित चौधरी सेवा से बर्खास्त

सब का सपना संवाददाता

- धान खरीद घोटाला : 11.09 करोड़ की अनियमितता का खुलासा, छह गिरफ्तार, विभागीय कार्रवाई तेज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (पीसीएफ) बस्ती मंडल में धान खरीद और सीएमआर (कस्टम मिलिंग राइस) डिलीवरी में वर्ष 2023-24 के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं।

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के निर्देश पर कराई गई जांच में लगभग 11.09 करोड़ रुपये की वित्तीय गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया है। जांच में जनपद सिद्धार्थनगर, बस्ती और संत कबीर नगर के पीसीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता पाई गई। इस मामले में दुरभिसंधि एवं फर्जीवाड़े के आरोप में विभिन्न थानों में कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि विभागीय कार्रवाई के तहत पीसीएफ जिला प्रबंधक अमित कुमार चौधरी को सेवा से पदच्युत कर दिया गया है। अन्य दोषी अधिकारियों पर भी शीघ्र कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (EOW) को सौंप दी गई है। अब तक वसूली प्रक्रिया के तहत लगभग 6.63 करोड़ रुपये की धनराशि की वसूली बाकी है।

लखनऊ से मिले इलेक्ट्रिक इंजन, निरस्त ट्रेनें दौड़ीं

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली। शहर के रेलवे स्टेशन रायबरेली से अलग-अलग रूटों पर दौड़ने वाली पैसेंजर ट्रेनों का संचालन पटरी पर लौट आया है। इन ट्रेनों को लेकर दौड़ने वाले डीजल इंजन फिरोजपुर भेजे जाने से शुक्रवार को इन्हें निरस्त कर दिया गया था लेकिन लखनऊ से इलेक्ट्रिक इंजन आने के बाद सभी निरस्त ट्रेनें पहले की तरह दौड़ने लगीं। इससे यात्रियों को राहत मिली है।

रायबरेली से ऊंचाहार, डलमऊ, लालगंज के रास्ते एक पैसेंजर ट्रेन सुबह कानपुर जाती है। यही ट्रेन रात में कानपुर से इसी रास्ते रायबरेली लौटती है। रायबरेली से दरियापुर, लक्ष्मणपुर के रास्ते सुबह एक पैसेंजर ट्रेन ऊंचाहार जाती है। कुछ देर बाद इसी रास्ते रायबरेली लौटती है।

रायबरेली से सुबह एक पैसेंजर ट्रेन उबरनी, डलमऊ, लालगंज के रास्ते रघुराज सिंह स्टेशन जाती है। कुछ देर बाद रघुराज सिंह से इसी रास्ते रायबरेली लौटती है। रायबरेली से दूसरी पैसेंजर ट्रेन शाम को उबरनी, डलमऊ, लालगंज के रास्ते रघुराज सिंह स्टेशन जाती है जो रात में लौटती है। इन ट्रेनों को डीजल इंजन से दौड़ाया जाता था लेकिन डीजल इंजन फिरोजपुर भेज दिए जाने से ट्रेनें रद्द कर दी गई थीं।

पहले तो यह संभावना थी कि डीजल इंजन इतनी जल्दी लौटकर नहीं आएंगे जिससे ट्रेनों का संचालन पटरी पर लौटना संभव नहीं होगा। यात्रियों की समस्या को देखते हुए दूसरे इंजन की मांग की गई जिस पर लखनऊ से शुक्रवार रात में ही इलेक्ट्रिक इंजन उपलब्ध करा दिए गए। इससे सभी निरस्त ट्रेनें पटरी पर लौट आईं और पहले की तरह दौड़ने लगी हैं।

यातायात निरीक्षक राजेश कुमार का कहना है कि डीजल इंजन भेजे जाने के कारण जो ट्रेनें निरस्त हुई थीं, उन सभी ट्रेनों का संचालन फिर से होने लगा है।

शासन तक पहुंची विकास कार्यों में गड़बड़ी की आंच

सब का सपना संवाददाता

रायबरेली। शहर में कराए गए विकास कार्यों में हुई गड़बड़ी की जांच शासन तक पहुंच गई है। शासन ने जिला प्रशासन से सप्ताहभर में जांच रिपोर्ट भी तलब कर ली है। शासन का पत्र मिलते ही एडीएम प्रशासन ने विकास कार्यों की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दी है।

दरअसल सभासद सतीश कुमार मिश्रा, संजय श्रीवास्तव, पंकज साहू व पुष्पा यादव ने अप्रैल में नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव समेत अन्य अफसरों को पत्र भेजकर नगर पालिका परिषद क्षेत्र रायबरेली में हुए विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया था। सभासदों की ओर से शिकायत की गई थी कि असंवैधानिक तरीके से बोर्ड की बैठक करा दी गई है। कागजों पर विकास कार्य कराए गए हैं और ठेकेदारों को रुपयों का भुगतान भी करा दिया गया। शासन ने मामले को गंभीरता से लिया और जिला प्रशासन को पत्र भेजकर जांच करके रिपोर्ट तलब कर ली। एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ ने जांच के लिए एडीएम न्यायिक विशाल यादव, वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ. भावना श्रीवास्तव की अगुवाई में दो सदस्यीय टीम गठित कर दी है।

ये लगाए गए हैं आरोप

1- राना नगर में खड़ंजा और सड़क का निर्माण कागजों पर कराया गया है। इसके एवज में ठेकेदार को 15 लाख रुपये का भुगतान करा दिया गया।
2- पालिकाध्यक्ष को 50 लाख के कार्य कराने के पॉवर देकर फर्जी भुगतान कराया गया।
3- 34 में से 15 सभासदों की मौजूदगी में ही बोर्ड की बैठक करा दी गई।
4- ईओ और पालिकाध्यक्ष की मिलीभगत से ऐसे लोगों के नाम पर भुगतान कर दिया गया है जो डयूटी नहीं करते।
5- पालिकाध्यक्ष के घर पर पालिका के कर्मियों की डयूटी लगा दी गई है।
6- पालिकाध्यक्ष के नाम शत्रुघ्न नगर वार्ड बनाकर विकास कार्यों के टेंडर जारी कर दिए गए।
7- चहेते ठेकेदारों को ही कार्य दिया जा रहा है।
8- 40 फीसदी कमीशन लेकर ठेकेदारों का भुगतान करा दिया गया।
9- एलईडी लाइटों को लगवाने के नाम पर भुगतान में गड़बड़ी की गई।
10- डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन योजना के नाम पर धन का बंदरबांट।
11- रोड स्वीपिंग मशीन से सफाई के नाम पर लूटखसोट।

"शासन से पत्र मिलने के बाद शहर में कराए गए विकास कार्यों की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाएगी। जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि विकास कार्यों में क्या-क्या गड़बड़ी की गई है।
सिद्धार्थ, एडीएम प्रशासन

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के रायपुर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत, 12 घायल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर में रविवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। रायपुर-बलोदाबाजार रोड पर सारागांव के पास लोगों से भरे ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 12 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में सभी सभी महिलाएं और बच्चे हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रायपुर के एसपी लाल उम्मेद सिंह ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चटौद गांव से कुछ लोग छठी कार्यक्रम में शामिल होने बाना बनारसी गए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद वो वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रायपुर-बलौदाबाजार रोड के पास यह हादसा हो गया। इस घटना में कुल 13 लोगों की मौत हो गई है। 12 अन्य लोग घायल हो गए हैं। सभी को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। एसपी ने बताया कि हादसे का शिकार हुए लोग एक छोटे ट्रक में सवार होकर वापस लौट रहे थे। घायलों का रायपुर के डॉ. बी.आर. अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रायपुर के कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने बताया कि रात 12 बजे के आसपास हमें हादसे की सूचना मिली थी। तत्काल प्रशासन की टीम सक्रिय हुई और घायलों को पास ही के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। 13 लोगों की मौत गया है। 11 से 12 लोग घायल हुए हैं, यदि उन्हें कोई आवश्यकता होगी तो तत्काल सहायता की जाएगी।

मृतकों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल- न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सड़क हादसे में मरने वालों में चार बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चटौद गांव का एक परिवार पारिवारिक समारोह में शामिल होने बंसरी गांव गया था। लौटते समय खरोरा थाना क्षेत्र के सारागांव के पास ट्रक और ट्रेलर की टक्कर हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर भेजी गई और घायलों को रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया। रायपुर के जिला कलेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुणे की खदीजा शेख को भारी पड़ा पाक जिंदाबाद का नारा, गिरफ्तारी के बाद कई एजेंसियों ने शुरू की जांच

पुणे, एजेंसी। पुणे शहर पुलिस के साथ-साथ महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वाड , राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया एजेंसियों ने इंस्टाग्राम पोस्ट में पाकिस्तान जिंदाबाद लिखने वाली 19 वर्षीय छात्रा के मामले में जांच शुरू कर दी है। यह पोस्ट हाल ही में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत की सैन्य कार्रवाई के संदर्भ में की गई थी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रा की पहचान खदीजा शेख के रूप में हुई है, जो पुणे के कोंधवा इलाके की निवासी और सिंहगढ़ एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग की छात्रा है। जैसे ही 9 मई को पोस्ट सामने आई और प्राथमिकी दर्ज की गई, कॉलेज ने उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किशोर पाटिल ने इसकी पुष्टि की।

कॉलेज द्वारा जारी निष्कासन पत्र में लिखा गया, यह संस्थान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन उम्मीद करता है कि छात्र इसका प्रयोग जिम्मेदारी से और कानून के दायरे में करें। आपके सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक रूप से आपकी पहचान से जुड़े होते हैं। ये कॉलेज की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं और परिसर एवं समाज में वैमनस्य फैला सकते हैं।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनय पाटणकर के अनुसार, खदीजा शेख को अदालत में पेश करने के बाद पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है ताकि आगे की जांच की जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एटीएस और एनआईए के अधिकारियों ने छात्रा से यह जानने के लिए पूछताछ की कि क्या वह किसी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित है या किसी संदिग्ध समूह से जुड़ी है। फिलहाल की जांच में उसके किसी आतंकी संगठन से संबंध की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया अकाउंट की गहन जांच जारी है।

कोंधवा पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां हाल ही में भारत द्वारा पाकिस्तान और क्क्ष्य में की गई सैन्य कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया पर निगरानी कर रही थीं।

19 दिन बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर लौटी शांति, अब भी घर लौटने से डर रहे लोग

कश्मीर, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार दोनों देशों की सीमा और सीमा से सटे इलाकों में शांति दिखाई दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को ही सीजफायर डील हो गई थी। हालांकि कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने फिर सीजफायर का उल्लंघन किया। भारत ने जब उसे कड़े शब्दों में चेतावनी दी तो पाकिस्तान जाकर शांत हुआ। पहलगाम हमले के बाद जैसे ही भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित करने का ऐलान किया था, पाकिस्तीन की तरफ से सीजफायर उल्लंघन शुरू हो गया है था। ऐसे में 19 दिन बाद सीमा पर पूर रात शांति रही है। इसके बावजूद लोग अपने घरों को लौटने से कतरा रहे हैं।

कश्मीर के उरी में सीमा से सटे गांवों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों भेज दिया गया था। रविवार को जब वे अपने घरों को लौटने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बताया गया कि उनके गांवों के पास अभी धमाके का खतरा है। कई गोला-बारूद अब भी सक्रिय हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि आधिकारित तौर पर जब तक हरी झंडी नहीं दी जाती लोग अपने घरों को ना लौटें। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर डील के बाद आज डीजीएमओ स्तर की वार्ता होनी है। वहीं सेना का कहना है कि बीती रात सीमा पर किसी तरह की गोलीबारी की गतिविधि नहीं देखी गई। अखनूर, राजौरी, पुंछ, उरी, श्रीनगर और जम्मू में भी इलाके में शांति रही और सामान्य जन-जीवन लौटता हुआ दिकाई दिया। पंजा के अमृतसर में भी शांति रही। इसके अलावा राजस्थान और गुजरात में भी पूरी रात शांति रही। बता दें कि पाकिस्तान की तरफ से दागी गई कई मिसाइलें और ड्रोन तबाह होने के बाद पंजाब, गुजरात और राजस्थान के गांवों में गिरे थे। वहीं सेना का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। इसके मायने यही निकाले जा रहे हैं कि अगर पाकिस्तान किसी भी तरह की नापाक हरकत करता है तो तुरंत आक्रामक स्तर पर उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

नया भारत आतंकवादियों को खोजकर खत्म कर देगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों: असम के मुख्यमंत्री

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखा दिया है कि 'नया भारत' आतंकवादियों को खोजकर उन्हें मार गिराएगा। शर्मा ने ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों का सफाया करने तथा पाकिस्तान में महत्वपूर्ण सैन्य एवं आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वह दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता को परिपक्वता से नेतृत्व दे रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भारत की वैश्विक ताकत के रूप में उभरती भूमिका के बारे में जनता को जागरूक करें। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुछ देर पहले हमारे डीजीएमओ द्वारा दी गई शानदार जानकारी को सुनने के बाद हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और हमारी वीर सेना के असाधारण नेतृत्व के प्रति आभारी हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म किया है और दुश्मन के महत्वपूर्ण सैन्य और आतंकी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है। यह अब निर्विवाद सबूतों के साथ सामने है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह एक मजबूत संदेश है कि नया भारत आतंकवादियों को जमीन, हवा या समुद्रकहीं भी छिपे हों, ढूंढ़कर खत्म करेगा।

बरसात से पहले करा लें विकास परियोजनाओं का ज्यादा से ज्यादा निर्माण कार्य: मुख्यमंत्री

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बारिश से पहले सभी प्रमुख सरकारी निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं का ज्यादा से ज्यादा काम मुकम्मल कर लेने की हिदायत दी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री रविवार शाम गोरखनाथ मंदिर के सभा कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने जिले में निर्माणाधीन सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि हर परियोजना की उस विभाग स्तर पर और उसके बाद वरिष्ठ प्रशासनिक स्तर पर 15 दिन की अवधि में पर्यवेक्षण और समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर विकास परियोजना की एक समयसीमा तय होती है और उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें किसी

भी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह व्यावहारिक रूप से समझना होगा कि बरसात का मौसम शुरू होने पर खुले में होने वाला निर्माण कार्य प्रभावित होता है, इसलिए विकास की जितनी भी परियोजनाओं पर काम चल रहा है उनसे संबंधित ज्यादा से ज्यादा निर्माण कार्य बरसात से पहले पूरे कर लिए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी माह के दूसरे पखवाड़े में बरसात का समय शुरू हो सकता है तथा ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए।

उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है और इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने समय रहते सभी नालों की सफाई का काम पूरा करने का निर्देश दिया और कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए गोड़धोइया नाला परियोजना पर गंभीरता से ध्यान देकर इसे जल्द पूर्ण कराने का प्रयास होना चाहिए।

महाराष्ट्र के ठाणे में मादक द्रव्य रखने का आरोपी गिरफ्तार

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में कोडीन पाउडर (नशीला पदार्थ) रखने के आरोप में राजस्थान के 48 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से जब्त प्रतिबंधित सामग्री की बाजार में कीमत दो करोड़ रुपये है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर, मादक पदार्थ निरोधक प्रकोष्ठ के एक दल ने नौ मई को ठाणे रेलवे स्टेशन के पास एक होटल पर छापा मारा और आरोपी सुरेश परमार को गिरफ्तार कर लिया जो दवाइयों की बिक्री करने वाले चिकित्सा प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। उन्होंने बताया कि टीम को परमार के पास से एक किलोग्राम से अधिक कोडीन पाउडर मिला जो जोधपुर से कूरियर सेवा के माध्यम से उसके पास पहुंचा था। उन्होंने बताया कि जब्त प्रतिबंधित सामग्री की कीमत दो करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है और यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि प्रतिबंधित पदार्थ कहां से लाया गया था और इसे किसे बेचा जाना था।

ब्रिटेन में कड़ा इमिग्रेशन कानून लाने की तैयारी में पीएम स्टार्मर

कम कुशल कामगारों के वीजा पर होगी सख्ती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सोमवार को देश में आव्रजन (इमिग्रेशन) नियमों को सख्त करने की योजना पेश करने वाले हैं। यह मुद्दा लंबे समय से ब्रिटिश सरकारों के लिए चुनौती बना हुआ है और हाल ही में एक नई एंटी-इमिग्रेशन पार्टी रिफॉर्म यूके के उभार का मुख्य कारण भी बना है। बता दें कि स्टार्मर की लेबर पार्टी को पिछले साल भारी जीत मिली थी, लेकिन अब सरकार पर दबाव बढ़ रहा है क्योंकि लोग उच्च इमिग्रेशन से परेशान हैं। उनका मानना है कि इससे जन सेवाओं पर बोझ बढ़ा है और कुछ क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव भी देखने को मिले हैं।

परिवार और पढ़ाई में सख्ती पर जोर: मामले में स्टार्मर ने कहा है कि हर इमिग्रेशन श्रेणी काम, परिवार और पढ़ाई में सख्ती लाई जाएगी। कानून का पालन सुनिश्चित किया जाएगा और इमिग्रेशन की संख्या में गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि हम एक नियंत्रित, चयन करने वाला और निष्पक्ष प्रणाली बनाएंगे। वहीं गृह मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि सरकार अब कोई नया इमिग्रेशन लक्ष्य तय नहीं करेगी क्योंकि पुराने लक्ष्य विश्वास खो चुके हैं। इसके बजाय, सरकार कम कुशल कामगारों को मिलने वाले वीजा की संख्या में कटौती करेगी। उन्होंने बताया कि 2025 में ऐसे वीजा 50,000 कम किए जाएंगे।

ब्रिटेन में इमिग्रेशन बना एक बड़ा मुद्दा : गौरतलब है कि 2004 में यूरोपीय संघ का विस्तार हुआ था और ब्रिटेन ने तुरंत ही नए सदस्य देशों के लोगों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। तब से लेकर अब तक लाखों प्रवासी ब्रिटेन आ चुके हैं। 2016 के ब्रेग्जिट वोट के पीछे भी इमिग्रेशन एक बड़ा मुद्दा था, लेकिन ब्रेग्जिट के बाद भी वीजा पर आने वाले लोगों की संख्या कम नहीं हुई। बात अगर अभी की स्थिति की करें तो 2024 के जून तक सालाना नेट इमिग्रेशन (जाने वालों को घटाकर) 7,28,000 रहा। ये आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी 2010 में तय किए गए 1 लाख के लक्ष्य से सात गुना ज्यादा है। वहीं पिछले साल 37,000 लोग छोटी नावों से अवैध रूप से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे।

अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को नाजी शासन से जुड़े अभिलेख मिले

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को अपने अभिलेखों में नाजी शासन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिसमें प्रचार सामग्री भी शामिल है जिसका इस्तेमाल दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र में एडॉल्फ हिटलर की विचारधारा को फैलाने के लिए किया गया था, अदालत के एक न्यायिक अधिकारी ने रविवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया। न्यायिक अधिकारी ने कहा कि अदालत को यह सामग्री तब मिली जब वह अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों के साथ एक संग्रहालय बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारी ने आंतरिक नीतियों के कारण नाम न बताने का अनुरोध किया। दस्तावेजों में उन्हें जर्मन शासन से पोस्टकार्ड, तस्वीरें और प्रचार सामग्री मिली। अधिकारी ने कहा कि कुछ सामग्री का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अर्जेंटीना में एडोल्फ हिटलर की विचारधारा को मजबूत करना और उसका प्रचार करना था। माना जाता है कि ये बक्से 20 जून, 1941 को ब्यूनस आयर्स में 83 पैकेजों के आगमन से संबंधित हैं, जिन्हें टोक्यो में जर्मन दूतावास द्वारा जापानी स्टीमशिप नान-ए-मारू पर भेजा गया था।

मिल्वौकी में अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, चार की मौत; खिड़कियों से निकाले गए लोग

मिल्वौकी, एजेंसी। मिल्वौकी में मदर्स डे पर एक अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग कई मंजिलों तक फैल गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आग इतनी विकराल थी अग्निशमन दल ने लोगों को खिड़कियों से निकाला।

मिल्वौकी अग्निशमन प्रमुख आरोन लिप्स्की ने बताया कि आग लगने के कारण 85 फ्लैट वाली इमारत पूरी तरह से बर्बाद हो गई। यहां से 200 लोगों को दूसरे स्थान पर जाने को मजबूर होना पड़ा। अग्निशमन दल को कॉल पर बताया गया कि लोग चार मंजिला इमारत में फंस गए हैं और बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद रहे हैं। लिप्स्की ने कहा कि सबसे पहले पहुंचने वाले अग्निशमन दल भीषण लपटों के सामने फेल हो गए। इसके बाद प्लेटफार्म पर खड़ी अग्निशमन गाड़ियों ने खिड़कियों से लोगों को बचाया, जबकि अन्य अग्निशमन कर्मी अंदर गए। उन्हें कुछ लोगों को बाहर निकालने के लिए हाथों और घुटनों के बल रेंगना पड़ा। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर करीब 30 लोगों को बचाया गया। आग लगने का कारण पता नहीं लग सका है। जल्द ही इसका पता लगा लिया जाएगा। लिप्स्की ने बताया कि 1968 में निर्मित इस भवन का निर्माण उस कानून से पहले हुआ था जिसके अनुसार इसमें स्प्रिंकलर प्रणाली लगाना अनिवार्य था। यहां कभी भी स्प्रिंकलर प्रणाली नहीं लगाई गई। किसी को भी वापस जाकर इमारत को आग से सुरक्षित बनाने की ज़रूरत नहीं पड़ी।

पाकिस्तान में अपनी सेना तैनात करेगा चीन, पहले किया विरोध... जिनपिंग ने दिखाई आंख तो ढीले पड़े शहबाज

बीजिंग, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान युद्ध की दहलीज पर खड़े हैं और फिलहाल अपने कदम पीछे खींचते दिख रहे हैं। दोनों देश लगभग युद्ध की स्थिति में थे। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की इस स्थिति में चीन ने एक बार फिर वही किया जिसके लिए वह जाना जाता है, दोहरा खेल। ऊपर से देखने पर भले ही ऐसा लगे कि चीन ने शांति और बातचीत पर जोर देकर कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है, लेकिन खिड़की के अंदर खड़े होकर देखने पर पता चलता है कि चीन दरअसल दोहरा खेल खेल रहा है। शिन्हुआ विश्वविद्यालय के माओ केई और साउथ एशियन रिसर्च ग्रुप के चेन झोउ ने चीनी वेबसाइट गुआंचा में एक लेख लिखा है। जिसमें उन्होंने अक्साई चिन में चीनी सैनिकों की तैनाती की बात कही है और लिखा है कि ये चीनी सैनिक दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़े युद्ध को रोकने के लिए वहां मौजूद हैं।

इस लेख में दोनों ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीन की कूटनीति को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा कि कुछ हद तक, चीन भारतीय कार्रवाई से पहले पाकिस्तान को मजबूत समर्थन जारी करके भारतीय आक्रामकता को रोकना चाहता था, लेकिन एक बार जब भारत ने कार्रवाई शुरू कर दी, तो ऐसे बयानों के लिए कोई जगह नहीं थी। उसके बाद बीजिंग को कड़ी चेतावनी जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसके बजाय, वह बातचीत का आग्रह करने और शांति को बढ़ावा देने के अपने पारंपरिक रुख पर लौट आया। उन्होंने लिखा कि बयानबाजी में यह सूक्ष्म बदलाव क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति चीन की गहरी चिंता और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।

चीन की दोहरी कूटनीति: उन्होंने लिखा कि इससे पहले पाकिस्तान के बयानों का समर्थन

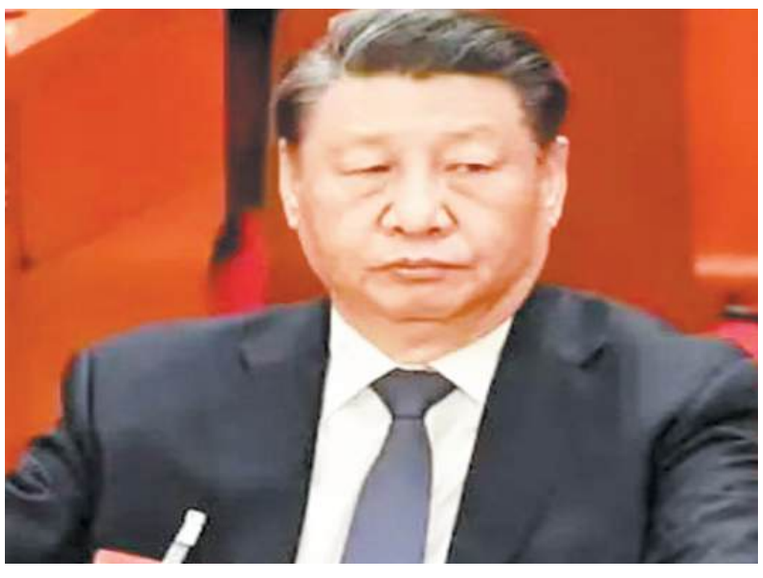

करके चीन ने भारत पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई न करने के लिए अप्रत्यक्ष दबाव बनाने की कोशिश की थी। जब भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई शुरू की, तो बीजिंग अपनी पारंपरिक शांति की भाषा पर लौट आया। उन्होंने लिखा है कि चीन का यह रवैया उसकी परंपराओं के अनुरूप है, जिसमें वह क्षेत्रीय शांति चाहता है। इस लेख के अनुसार, चीन की इस रणनीति का उद्देश्य भारत जैसी मजबूत पार्टी को पहले ही गंभीर चेतावनी देना था, ताकि वह गंभीर सैन्य कार्रवाई करने से बच जाए। इस नीति के तहत, पाकिस्तान को व्यावहारिक रूप से लाभ पहुंचाया गया, क्योंकि वह एक कमजोर देश है। दूसरे शब्दों में, पाकिस्तान को कमजोर पक्ष बताकर चीन उस आतंकवाद का समर्थन कर रहा है, जिसके खिलाफ भारत लड़ रहा है। यानी अगर कोई देश आतंकवाद फैलाता है और कमजोर है तो क्या उसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? लेकिन शांति की बात करने वाले चीनी विशेषज्ञों ने इस बीच एक विवादास्पद दावा किया है कि 2020 से चीनी सैनिक भारतीय नियंत्रित कश्मीर के पास तैनात हैं। और उनकी उपस्थिति दक्षिण एशिया में शांति की अंतिम गारंटी बन गई है। यह काफी सनसनीखेज खुलासा है कि चीनी सैनिक पीओके में मौजूद हैं। यानी भारत की सीमा के पास चीनी सैनिकों की मौजूदगी एक बहुत बड़े खतरे को दर्शाती है। यह खुलासा भारत की संप्रभुता और सामरिक स्वायत्तता को चुनौती देता है। यह सिर्फ सैन्य तैनाती नहीं है, बल्कि बीजिंग की ओर से एक धमकी भी है, जिसमें वह यह कहना चाह रहा है कि अगर भारत पीओके को हासिल करने के लिए सैन्य अभियान शुरू करता है, तो उसे कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले चीन की मौजूदगी को ध्यान में रखना होगा। यानी चीन युद्ध की धमकी देकर पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहा है।

टेस्ट में विराट कोहली के इन रिकॉर्ड्स को तोड़ना होगा मुश्किल

भारतीय क्रिकेट टीम के धमाकेदार बल्लेबाज और सबसे सफल टेस्ट कप्तान रह चुके विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हाल ही में रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था जिसके बाद कोहली के भी टेस्ट से संन्यास की खबरें थी। बीसीसीआई कोहली को संन्यास ना लेने के लिए भी मना रहा था, लेकिन इन सब के बीच अब कोहली ने सोमवार 12 मई को सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट की जानकारी देते हुए सभी को हैरान करते हुए क्रिकेट से सबसे लम्बे प्रारूप से संन्यास ले लिया। टेस्ट में उनके रिकॉर्ड्स इस प्रकार हैं –

1. विराट कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया है जिसमें 40 जीत हासिल की जो किसी भी अन्य कप्तान से सबसे ज्यादा हैं।
2. विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाले पहले एशियाई कप्तान हैं। उन्होंने 2018–19 यह उपलब्धि अपने नाम की थी।
3. लगातार 9 टेस्ट सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी कोहली के नाम है जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की।
4. कोहली ने टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 5864 रन बनाए हैं जिसमें 20 शतक शामिल हैं।
5. विराट कोहली एकमात्र ऐसे टेस्ट कप्तान हैं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में जीत हासिल की। वह सेना देश में टेस्ट जीतने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान हैं। कोहली सेना देशों में सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले एशियन कप्तान भी हैं।
6. कोहली लगातार चार टेस्ट सीरीज (2016–17) में दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।
7. ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय द्वारा बनाए गए सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक (7) की सूची में कोहली सचिन तेंदुलकर (6) से आगे हैं।
8. किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज 8,000 टेस्ट रन (169 पारी) बनाने वाले चौथे भारतीय (ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 115 और 141, 2014)।
9. बांग्लादेश को छोड़कर उन्होंने हर उस देश में और उसके खिलाफ टेस्ट शतक बनाए हैं, जिसके लिए उन्होंने खेला है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद विराट कोहली का बयान-

मैं अपने टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। कोहली वनडे और आईपीएल खेलते रहेंगे। संन्यास के बाद विराट कोहली का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 'मैं अपने टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा' मैंने क्रिकेट और टीम को अपना बेस्ट दिया है। छत्तीस वर्षीय कोहली ने पिछले साल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर घोषणा की, ''जब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं तो यह आसान नहीं है। लेकिन यह सही लगता है। मैंने इसे अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे उम्मीदों से कहीं अधिक दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभार लेकर जा रहा हूं जिसने मुझे इस दौरान खेलते हुए देखा।

टेस्ट रिटायरमेंट के बाद अनुष्का के साथ घर पहुंचे विराट

भारतीय क्रिकेट फैंस को उस वक्त आज एक बड़ा झटका लगा, जब विश्व क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। टेस्ट से अपने संन्यास के एलान के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दिल्ली अपने घर पहुंचे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से विराट और पत्नी अनुष्का का वीडियो सामने आया है। इससे थोड़ी देर पहले दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए थे। जहां पैपराजी को देखकर विराट मुस्कुराते दिखे थे। टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद विराट कोहली अब पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली में विराट कोहली का घर भी है। ऐसे में अब विराट अपनी जिंदगी के इतने बड़े फैसले के बाद अपने घर पहुंचे हैं। जहां वो अपने घरवालों के साथ इस समय को व्यतीत करेंगे। एयरपोर्ट पर अनुष्का और विराट बेहद सादगी भरे अंदाज में नजर आए। अनुष्का ने कैजुअल लुक में हर किसी का ध्यान खींचा, वहीं विराट भी व्हाइट शर्ट-पैंट और व्हाइट शूज में काफी अच्छे लग रहे थे। दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी।

टेस्ट में शानदार रिकॉर्ड

विराट ने अपने टेस्ट करियर के दौरान न सिर्फ रिकॉर्ड्स तोड़े, बल्कि क्रिकेट को एक नई पहचान भी दी। टेस्ट क्रिकेट में उनकी 9000 से ज्यादा रनों की उपलब्धि और विदेशों में मिली ऐतिहासिक जीतों को भुलाया नहीं जा सकता।

कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद, अब इंग्लैंड दौरे के लिए इन 5 खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बीसीसीआई के समझाने की खबरों के बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कह दिया। इससे पहले रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था और रविचंद्रन अश्विन अब भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम अनिश्चित स्थिति में है। भारत के मौजूदा प्रतिभावान खिलाड़ियों में से कुछ उभरते और मजबूत खिलाड़ी इंग्लैंड में टीम इंडिया को संकट से निकाल सकते हैं।

साई सुदर्शन – युवा सलामी बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। विराट के बाद अब वह खाली स्थान को भरने वाले प्रमुख नामों में से एक है। 23 वर्षीय तमिलनाडु के बल्लेबाज ने अपने शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन से धमाल मचाया और तीन रणजी ट्रॉफी मैचों में 76.00 की औसत से 304 रन बनाए जिसमें एक दोहरा शतक, एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। जब कोई गहराई से देखता है, तो सुदर्शन ने 29 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में हिस्सा लिया है जिसमें 1,957 रन बनाए हैं, लगभग 40 की औसत से, सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

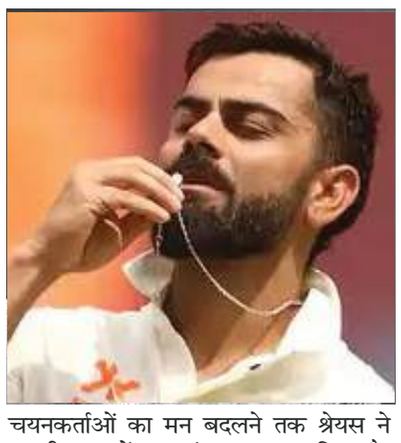

श्रेयस अय्यर – आगामी इंग्लैंड दौरा श्रेयस के लिए भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए एकदम सही मंच हो सकता है। अपने लगातार शानदार प्रदर्शन से

चयनकर्ताओं का मन बदलने तक श्रेयस ने अपनी यात्रा में एक लंबा सफर तय किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 14 टेस्ट और 811 रन बनाने के बाद भी वह अभी भी एक नौसिखिया है। घरेलू सेटअप उनकी सफलता की कहानियों से भरा पड़ा है। मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने आखिरी रणजी ट्रॉफी अभियान में श्रेयस ने मुंबई के लिए पांच मैचों में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए, जबकि 90.22 की दर से जमकर बल्लेबाजी की।

केएल राहुल – केएल राहुल लगातार संकटमोचक और भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे में चौथे स्थान के लिए एक और मजबूत उम्मीदवार हैं। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज का अलग-अलग पदों पर बदलाव का इतिहास रहा है। अपनी परफेक्ट तकनीक के साथ, राहुल ने सफलता का सूत्र खोज लिया है। 33 वर्षीय, जो पहले इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं, वह खिलाड़ी हो सकते हैं जो भारत के आगामी दौरे को परिभाषित करते हैं। उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में 34.11 की औसत से 614 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं।

सरफराज खान – सरफराज ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर डेब्यू किया था। उसी साल उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें बेंच पर बैठना पड़ा था। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 65.61 की शानदार औसत से 4,593 रन बनाए हैं, जबकि 70.73 की शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

करुण नायर – दिसंबर 2022 में दूसरा मौका मांगने वाले करुण ने घरेलू स्तर पर विदर्भ का प्रतिनिधित्व करते हुए इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया। तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी ने बेहतरीन फॉर्म का प्रदर्शन किया, जिसने 2017 में अपने आखिरी टेस्ट के बाद से भारतीय टीम में उनकी वापसी के लिए रास्ता बना दिया है। वह पिछले सीजन की रणजी ट्रॉफी में 53.93 की औसत से 9 मैचों में 863 रन बनाकर चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

आईपीएल के लिए भारत नहीं लौटने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के साथ सीए- रिपोर्ट

मेलबर्न (एजेंसी)। आईपीएल स्थगित होने के बाद वापिस लौटे आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी अगर बाकी मैचों के लिए भारत वापिस लौटना नहीं चाहते तो क्रिकेट आस्ट्रेलिया से उन्हें समर्थन मिलेगा। यहां एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

विभिन्न आईपीएल टीमों के आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्वदेश पहुंच चुके हैं। रिकी पोंटिंग और ब्राड हाडिन जैसे कुछ पूर्व खिलाड़ी भारत में रह गए हैं जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। दूसरे कोच मसलन जस्टिन लैंगर और माइक हस्सी भी भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के चलते लौट गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद खिलाड़ियों को लौटने के लिये कहा गया है क्योंकि आईपीएल एक सप्ताह के भीतर फिर शुरू होने वाला है।

'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने कहा, 'घबराए हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अगर सुरक्षा कारणों से वापस जाना नहीं चाहते हैं तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उनका समर्थन करेगा। इसमें कहा गया, 'ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी चिंतित और डरे हुए हैं।

वैशाली की जीत से शानदार आगाज

ऑस्ट्रिया में महिला ग्रां प्री के अंतिम चरण की हुई शुरुआत

ग्रॉसलोबमिंग, ऑस्ट्रिया (एजेंसी)। महिला ग्रां प्री के अंतिम चरण की शुरुआत भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू के शानदार प्रदर्शन से हुई। पहले राउंड में वैशाली ने बुल्गारिया की नुर्ग्यूल सालिमोवा को हराकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया।

कुल दस खिलाड़ियों के राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में वैशाली भारत की एकमात्र प्रतिनिधि हैं और यह उनका ग्रां प्री श्रृंखला का तीसरा और अंतिम टूर्नामेंट है।पहले राउंड में वैशाली ने काले मोहरों से खेल रहीं सालिमोवा के खिलाफ संतुलित शुरुआत के बाद धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनाते हुए अपने क्वीनसाइड के प्यादों से दबाव बनाना शुरू किया। समय प्रबंधन और काले खानो के नियंत्रण में उनकी बढ़त निर्णायक साबित हुई और उन्होंने मात्र 35 चालों में जीत दर्ज की।

अन्य मुकाबलों में मेज़बान ऑस्ट्रिया की ओल्गा बडेल्का ने पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को चौंकाते हुए शानदार जीत हासिल की। वहीं चीन की पूर्व विश्व विजेता तान झोंगयी ने एक लंबे और संघर्षपूर्ण मुकाबले में झू जिनर को मात दी। पहले राउंड के बाद वैशाली, तान झोंगयी और ओल्गा बडेल्का 1-1 अंक के

साथ बढ़त पर हैं।

ग्रां प्री सीरीज की बात करें तो इसमें कुल छह टूर्नामेंट शामिल हैं और हर खिलाड़ी को इनमें से तीन में हिस्सा लेने का अवसर मिलता है। अंत में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली दो खिलाड़ी 2026 में होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगी। दूसरे राउंड में वैशाली का मुकाबला जॉर्जिया की लेला जावाखिशविली से होगा।

मेरा बर्ताव थोड़ा रूखा था... धर्मशाला में ब्लैक आउट पर पहली बार बोली प्रीति जिंटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण धर्मशाला में 'ब्लैकआउट' के चलते पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के कुछ दिनों बाद अभिनेत्री और पंजाब आईपीएल टीम की सह मालिक प्रीति जिंटा ने स्टेडियम में दर्शकों को नहीं घबराने के लिए रविवार को धन्यवाद दिया। पंजाब की टीम बृहस्पतिवार को 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना चुकी थी जब बत्ती गुल हो गई जिसे पहले फ्लडलाइट की विफलता के कारण माना गया। टीमों और दर्शकों को उनकी सुरक्षा के लिए स्टेडियम से बाहर निकाला गया। प्रीति ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों की अफरातफरी के बाद आखिरकार घर वापस आ गई हैं। उन्होंने रविवार को प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। प्रीति ने 'एक्स' पर लिखा कि धर्मशाला स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों को - नहीं घबराने और किसी भी तरह की भगदड़ नहीं करने के लिए धन्यवाद... मुझे खेद है कि मेरा बर्ताव थोड़ा

रूखा था और मैंने सभी के साथ तस्वीरें लेने से मना कर दिया लेकिन समय की मांग सभी की सुरक्षा थी और यह सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य और जिम्मेदारी थी कि सभी सुरक्षित रहें। इसे संभव बनाने के लिए धन्यवाद।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम की क्षमता लगभग 23,000 दर्शकों की है और बृहस्पतिवार को स्टेडियम खाली कराए जाने के दौरान यह लगभग 80 प्रतिशत भरा हुआ था। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा स्थिति में टूर्नामेंट को जारी रखना उचित नहीं होगा। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को धर्मशाला से निकाला गया और कड़ी सुरक्षा के बीच होशियारपुर के रास्ते जालंधर रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया। टीमें शुक्रवार रात विशेष 'वंदे भारत एक्सप्रेस से नई दिल्ली पहुंचीं।

प्रीति ने कहा कि भारतीय रेलवे और हमारे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दोनों आईपीएल टीम और सभी अधिकारियों और परिवारों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक तरीके से धर्मशाला छोड़ने में मदद करने के लिए हार्दिक धन्यवाद। धर्मशाला में हमारे स्टेडियम को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से खाली कराने में मदद करने के लिए जय शाह, अरुण धूमल, बीसीसीआई और हमारे सीईओ सतीश मेनन और पंजाब किंग्स की संचालन टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। सब कुछ बहुत अच्छी तरह से संभाला गया।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शनिवार को कहा था कि बोर्ड के अधिकारी और आईपीएल संचालन परिषद भारत और पाकिस्तान के बीच सहमति बनने के बाद निलंबित टी20 लीग को फिर से शुरू करने के सर्वोत्तम संभावित कार्यक्रम पर रविवार को चर्चा करेंगे।

कुशा कपिला के नाम पर फॉड! फैंस को चेताया

सोशल मीडिया पर कितना फॉड या स्कैम होता है, इससे तो सभी जगजाहिर हैं। हाल ही में कॉन्टेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस कुशा कपिला भी इसका शिकार बनीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी और उनके नाम पर पैसे मांग रहे फेसबुक अकाउंट से सचेत रहने की चेतावनी भी दी। इसके साथ ही उन्होंने स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। कुशा कपिला ने एक बयान जारी कर फैंस को एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल के बारे में सचेत किया है, जो उनके नाम पर पैसे मांग रहा है। उन्होंने फर्जी अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें उनकी प्रोफाइल फोटो और नाम का इस्तेमाल किया गया था। अकाउंट के बायो में लिखा था स्मॉल एंड स्टूपिड और इसके 122च फॉलोअर्स थे, जबकि यह केवल तीन लोगों को फॉलो करता था।

कुशा ने फैंस से की रिक्वेस्ट

कुशा ने इस मुद्दे को ऐसे समय उठाने के लिए माफी मांगी, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, यह फेसबुक पेज मेरा नहीं है/मैं इसे नहीं चलाती। प्लीज सभी अनुचित मैसेज/पैसे की रिक्वेस्ट को अनदेखा करें।

लुक के कारण चर्चा में थीं कुशा

इससे पहले कुशा अपने लुक्स को लेकर चर्चा में थीं। उन्हें पपाराजी ने स्पॉट किया था। उन्हें देखकर फैंस ने दावा किया था कि वो बिल्कुल भी पहचान में नहीं आ रही हैं।

इन प्रोजेक्ट्स में नजर आई कुशा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कुशा को पिछली बार सीरीज लाइफ हिल गई में देखा गया था। इसमें दिव्येंदु और मुक्ति मोहन जैसे कलाकार थे। उन्होंने मसाबा मसाबा सीजन 2, केस तो बनता है, माइनस वन- न्यू चैप्टर और देहाती लड़के छाया जैसी सीरीज में एक्टिंग की है। वो कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, जिनमें घोस्ट स्टोरीज, प्लान ए प्लान बी, सुखी और थैंक यू फॉर कमिंग शामिल हैं।

डॉक्टर बनने के बाद चुनी एक्टिंग, दमदार किरदारों से बनाई अलग पहचान

साई पल्लवी को उनकी महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए जाना जाता है। अपने 10 साल के करियर में साई छह फिल्मफेयर (साउथ) और 2 दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। इन दिनों साई रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। जिसमें वो मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म से साई बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। आज साई के जन्मदिन पर जानते हैं उनके सफर के बारे में।

डॉक्टर हैं साई पल्लवी

9 मई 1992 को तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कोटागिरी में जन्मी साई पल्लवी एक बडगा (बदगा) परिवार से आती हैं। साई पल्लवी का पूरा नाम साई पल्लवी सेंथमराई है। लेकिन फिल्मों में वो साई पल्लवी के नाम से ही जानी जाती हैं। साई पल्लवी एक अभिनेत्री के साथ-साथ डॉक्टर भी हैं। उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने 2016 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है।

कॉलेज की छुट्टियों में की पहली फिल्म की शूटिंग, मिला फिल्मफेयर अवॉर्ड

मेडिकल की पढ़ाई करने के बावजूद साई ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। साई को अपनी पहली फिल्म मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही मिली थी। 2015 में आई फिल्म 'प्रेमम' में साई के काम को काफी सराहा गया और मलार टीचर की भूमिका के लिए उन्हें साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। साई ने 2016 में आई अपनी दूसरी मलयालस फिल्म समीर ताहिर द्वारा निर्देशित 'काली' के लिए पढ़ाई से एक महीने का ब्रेक लिया था। इस फिल्म में भी साई के काम की तारीफ हुई थी।

इस वजह से विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म को किया मना

2018 में साई पल्लवी के विजय देरकोंडा के साथ एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं थीं। मेकर्स ने साई को अप्रोच भी किया था। लेकिन साई ने फिल्म में विजय के साथ लिपलॉक सीन की वजह से फिल्म को मना कर दिया था। बाद में यह रोल रश्मिका मंदाना को ऑफर हुआ था। यह फिल्म विजय और रश्मिका की सुपरहिट फिल्म 'गीता गोविंदम' थी।

आखिरी बार 'थंडेल' में आईं नजर

अपने दस साल के करियर में साई पल्लवी ने मलयालम, तमिल और तेलुगु सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं। जिनमें 'काली', 'फिदा', 'पावा कढ़ाइगल', 'श्याम सिंह रॉय', 'लव स्टोरी', 'गार्गी' और 'अमरन' जैसी फिल्में शामिल हैं। साई आखिरी बार 2025 में आई फिल्म 'थंडेल' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ नागा चैतन्य प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। साई पल्लवी एक शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ एक बेहतरीन डांसर भी हैं।

सीता के किरदार से बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

साउथ में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने के बाद अब साई पल्लवी बॉलीवुड में अपने जोरदार डेब्यू के लिए तैयार हैं। वो नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' में माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं। 'रामायण' दो भागों में रिलीज होनी है, जिसका एक पार्ट साल 2026 में और दूसरा 2027 में रिलीज होना है। साई सीता मां के रोल के लिए काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इसके अलावा साई के आमिर खान के बेटे अभिनेता जुनैद खान के साथ भी एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं हैं।

ठुकरा दिया था करोड़ों का फेयरनेस क्रीम का ऐड

साई पल्लवी के बारे में एक किस्सा ये भी काफी मशहूर है कि उन्होंने एक फेयरनेस क्रीम का ऐड करने से मना कर दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए उन्हें करोड़ों की मोटी रकम दी जा रही थी, लेकिन अभिनेत्री ने इस ऑफर को ठुकरा दिया था। क्योंकि वो मेकअप और इस तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स को बढ़ावा नहीं देतीं।

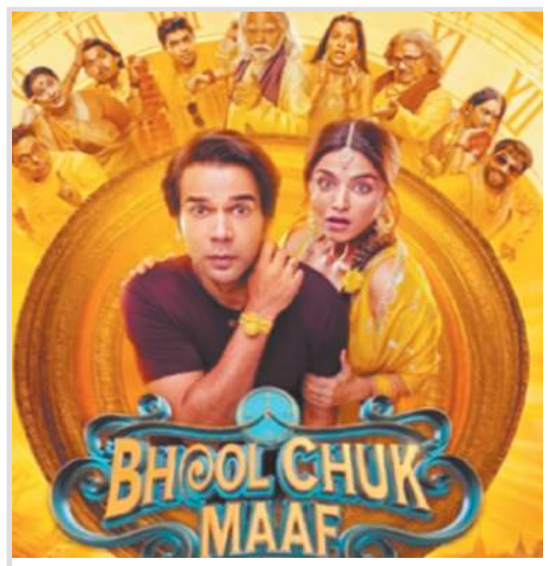

भूल चूक माफ को तगड़ा झटका, अब ओटीटी पर भी नहीं रिलीज होगी राजकुमार राव की फिल्म

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ बड़ी मुसीबत में फंस गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स की इस मूवी की रिलीज पर रोक लगा दी है। इससे पहले पीवीआर आईनॉक्स ने दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ 60 करोड़ रुपये का मुकदमा ठोका था। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को मद्देनजर रखते हुए मेकर्स ने इस फिल्म को सिनेमाघरों की बजाय सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला किया था। भूल चूक माफ पहले 9 मई 2025 को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार थी। लेकिन 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 लोगों की जान गई। इसके बाद भारत ने जवाब दिया और इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता गया, जो अभी तक जारी है। इस तनाव के कारण भूल चूक माफ के मेकर्स ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फिल्म को सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला किया। ये 16 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली थी।

पीवीआर सिनेमा ने ठोका मुकदमा

लेकिन इससे पहले पीवीआर सिनेमा ने मैडॉक फिल्म्स पर मुकदमा ठोक दिया। उनका कहना है कि तय समय से कुछ देर पहले फिल्म को रिलीज होने से रोका गया, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान हुआ है।

कॉन्ट्रैक्ट का हुआ उल्लंघन

अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिल्म को 8 हफ्ते की थियेटर विंडो पूरी होने से पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने से रोकने के लिए अंतरिम आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और व्यावसायिक कारणों का हवाला देते हुए थियेटर रिलीज को कैंसिल करने का प्रोडक्शन हाउस का फैसला कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन था।

अब 16 जून को होगी सुनवाई

फिल्म की रिलीज को अगली सुनवाई होने तक रोकने का आदेश दिया गया है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। मल्टीप्लेक्स चेन ने मांग की है कि फिल्म को पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया जाए और सामान्य आठ हफ्ते की अवधि के बाद ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाया जाए।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ऑपरेशन सिंदूर' से नाम जुड़ा तो परेशान हुए जैकी भगनानी

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' से प्रेरित होकर बनने जा रही एक फिल्म इस वक्त सुर्खियों में है। इस फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही फिल्म प्रोड्यूसर वाशु और बेटे जैकी भगनानी का नाम जोड़ा जा रहा था। अब दोनों को लेकर साफ कर दिया गया है कि उनका इस फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, हाल ही में 'निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स' द्वारा ऑपरेशन सिंदूर नाम की एक फिल्म की घोषणा की गई। जिसके बाद सोशल मीडिया पर वाशु और जैकी भगनानी के 'पूजा एंटरटेनमेंट' को भी इससे जोड़ दिया गया। अब प्रोडक्शन हाउस की तरफ से इस पर ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया गया है। इस बयान में साफ किया है कि वाशु और जैकी दोनों का फिल्म ऑपरेशन सिंदूर से कोई वास्ता नहीं है। दोनों का नाम फालतू में ही फिल्म के साथ जोड़ा जा रहा है। इतना ही नहीं, इस बयान में संवेदनशील समय में भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता की भी बात कही गई है।

डायरेक्टर ने मांगी माफी

इस फिल्म की घोषणा के बाद विवाद होता देख डायरेक्टर उमंग माहेश्वरी ने सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांग ली। उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखते हुए बताया कि ये महज एक फिल्म नहीं बल्कि पूरे देश की भावना है। निर्देशक ने यह भी साफ किया कि उनका मकसद किसी के जज्बातों को ठेस पहुंचाना नहीं था।

मेरे बारे में कहा गया था कि फिल्में छोड़कर इडली-वडा बेचना चाहिए

इंडस्ट्री में अन्ना के नाम से जाने जाने वाले सुनील शेट्टी इंडस्ट्री में 33 साल बिता चुके हैं, मगर इसके बावजूद अपनी भूमिकाओं, फिटनेस और बेबाकी के लिए लगातार चर्चा में रहते हैं। अपनी पिछली वेब सीरीज के बाद अब वह अपनी नई फिल्म केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही उन्होंने मुलाकात में अपनी फिल्म, बॉक्स ऑफिस, अपने संघर्ष, दामाद के एल राहुल और नातिन इवारा के अलावा कई मुद्दों पर बात की।

आपको इंडस्ट्री में 33 सालों से भी ज्यादा का समय हो गया है, मगर क्या आज भी शुक्रवार आपको डराता है? बॉक्स ऑफिस पर बड़े स्टार्स कमाल नहीं दिखा पा रहे, क्या आप चिंतित हैं?

ये सच है कि आज मैं सफलता-असफलता से परे हूं, मगर शुक्रवार मुझे आज भी डराता है और वो इसलिए कि मुझे अपनी इंडस्ट्री की चिंता है। फिल्में चलेंगी, तो हमारी इंडस्ट्री चलेगी। हमारी इंडस्ट्री को अच्छे विषयों और अच्छी कहानियों की जरूरत है। ऐसे विषय हों, जो दर्शकों को छू सकें। ऐसा नहीं है कि फिल्में नहीं चल रही हैं। अच्छी फिल्में चाहे वो बांग्ला, तमिल, मलयालम, कन्नड़ हों, चल रहीं हैं। हमारे यहां समस्या यह है कि हम आर्थिक रूप से गलत जा रहे हैं। हमें अपने बजट्स पर नियंत्रण रखना होगा। फिलहाल यही सोच है कि एक अच्छी फिल्म क्राउड ला सकती है, बड़े स्टार्स तो भीड़ इकट्ठा नहीं कर पा रहे हैं। इस वक्त अच्छे इंटेंशन से बनाई हुई अच्छी फिल्म की जरूरत है।

आपके करियर की बात करूं, तो आप उस पीढ़ी के एक्टर हैं, जिन्होंने अपने करियर में एक लंबा संघर्ष किया। वो दौर कैसा था, जब आप होटल में काम करते थे?

मैं अगर अपनी बात करूं, तो मैं लकी था कि पिताजी के संघर्ष के बारे में जानता था और मैं गर्व से कहता था कि 9 साल की उम्र में मेरे पिताजी होटल में काम किया करते थे और टेबल साफ करते थे। वो इतने छोटे थे और जगह भी इतनी छोटी हुआ करती थी कि उन्हें टेबल साफ करने के लिए चारों तरफ घूमना पड़ता था। मगर मैंने उस पर हमेशा गर्व किया और उस प्राइड को रखा। मैं जब भी अपने पिताजी के बारे में सोचता था, तो मुझे लगता क्या कोई इस 9 साल के बच्चे को ऐसे काम करने देता? मैंने खुद पिताजी के साथ काम करना शुरू किया रेस्टोरेंट में और पिताजी ने यही सिखाया, अतिथि देवो भव। कोई कस्टमर खाना खाने या शराब पीने के बाद गाली भी देता था, तो मुझे उसका सम्मान करना सिखाया गया था। मैं उसे उसकी गाड़ी तक छोड़ दिया करता था। हमारी रोजी-रोटी उन्हीं से चलती थी। एक कस्टमर टूट जाए, तो वो शायद चार को लेकर जाए। वो विनम्रता मुझ में हमेशा से थी। आज भी मैं सेट पर पहले आऊं, अपनी टेबल-कुर्सी साफ करूं, किसी को उठ कर अपनी चेयर दूं, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने कई रिजेक्शन झेले, मगर मेरी परवरिश इतनी स्ट्रॉन्ग है कि मैं आसानी से टूटता नहीं।

मगर आपकी पहली फिल्म बलवान बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही?

हां, ये सच है कि मेरी पहली फिल्म बलवान सुपरहिट थी, मगर मेरे बारे में एक बहुत बड़े क्रिटिक ने कहा था कि इसे फिल्में छोड़कर रेस्टोरेंट चलाना चाहिए, यहां इसका कोई काम नहीं। इसे रेस्टॉरेंट में जाकर इडली-वड़ा बेचना चाहिए। उस क्रिटिक को लगा कि ऐसा कहा कर वह मुझे ह्युमिलिएट कर रहा है, मगर मेरे लिए तो होटल चलाना मेरा पेशा था, उसी से मेरा घर चलता था। मेरी बहनें उसी रेस्टॉरेंट के बलबूते पर पढ़-लिख कर बड़ी हुईं, तो मेरे कहने का अर्थ ये है कि मेरे लिए मेरा रेस्टोरेंट में काम करना कभी भी शर्म का कारण नहीं बना। तब मैं कुछ सही भी करता, तो उसे गलत करार दे दिया जाता था, मगर आज कामयाब होने के बाद मैं कुछ गलत भी करूं, तो मेरे बारे में कहा जाएगा, शायद कुछ गलतफहमी हुई होगी। कहने का तात्पर्य है कि सफलता बहुत कुछ बदल देती है, मगर आपको अपनी जड़ें नहीं भूलनी चाहिए।

आपकी नई फिल्म केसरी वीर की बात करूं, तो आप एक ऐतिहासिक भूमिका निभाने जा रहे हैं?

मुझको यह भूमिका बहुत ही दमदार लगी। इस तरह का किरदार पर्दे पर कम ही करने को मिलता है। किरदार बहुत ही सशक्त लगा। फिल्म हमें सिखाती है कि हम कौन हैं और यह कॉन्सेप्ट मुझे बहुत भाया। यह गुमनाम नायकों की कहानी पर आधारित है। निर्माता कनुभा की पत्नी का सपना तह, जिसे हमें पूरा करने का मौका मिला। फिल्म के निर्देशक प्रिंस धीमान ने इस सब्जेक्ट के साथ हर तरह से न्याय किया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।